दैनिक
मिशन नेशनल न्यूज
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े: www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-324 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार, गुरुवार, 21 नवंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावः वोट डालने पहुंचे सलीम खान और उनकी पत्नी

मुंबई,

महाराष्ट्र चुनाव में मतदान जारी है जिसमें आम लोगों के साथ ही सितारों ने भी अपना वोट डाला। बॉलीवुड के भाई जान सलमान खान के पिता सलीम खान और उनकी पत्नी सुशीला भी रहीं। 88 साल के मशहूर राइटर सलीम खान ने इस दौरान ऐसी स्टाइलिश शर्ट पहनी थी, जिसे पहले कभी सलमान तक को पहने नहीं देखा होगा।

सलमान खान के पिता सलीम खान और मां सुशीला मुंबई में अपना वोट डालने पहुंचे। इस दौरान दोनों ही ऐसे कपड़े पहने थे, जो एक ओर तो उनकी सादगी दर्शा रहे थे, तो वहीं दूसरी ओर उनका स्टाइलिश कपड़ों के लिए प्रेम भी झलक रहा था। सलीम खान ने हमेशा ऐसे कपड़े चुने है जो कम्फर्ट होते थे।

राष्ट्रीय लक्ष्यों और आकांक्षा के मद्देनजर मिले वायुसेना को मजबूती

नई दिल्ली

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी सुरक्षा खतरों के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजधानी में आयोजित वायुसेना के कमांडर सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने बल के कमांडरों और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से आह्वान किया कि वह क्षमता विकास की प्रक्रिया को इस तरह से आगे बढ़ाए कि उससे राष्ट्रीय लक्ष्यों और आकांक्षाओं के मद्देनजर वायुसेना को और अधिक क्षमतावान बनाया जा सके। इसमें वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह के अलावा बल की सभी रणनीतिक कमांड के प्रमुख, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ.समीर.वी.कामत, रक्षा उत्पादन सचिव संजय कुमार शामिल हुए।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में देश की संप्रभुता को बनाए रखने के लिए वायुसेना के समर्पण और व्यावसायिक दृष्टिकोण की सराहना की।

भारत की महिला हॉकी टीम ने जीती चैंपियंस ट्रॉफी

रोमांचक मुकाबले में दीपिका के गोल की बदौलत चीन को 1-0 से हराया

नई दिल्ली

दीपिका के गोल की बदौलत भारत की महिला हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत दर्ज की है। रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने विश्व की छह नंबर की टीम चीन को 1-0 से हरा दिया है। दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। भारतीय महिला टीम के चैंपियन बनते ही स्टेडियम में दर्शक झूम उठे। पूरा भारत बेटियों की इस जीत का जश्न मना रहा है। फाइनल में भारत और चीन के बीच पहले दो क्वार्टर गोल रहित खत्म हुए। हाफ टाईम तक दोनों टीमें 0-0 के स्कोर पर थी। स्टेडियम में केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की मौजूदगी में भारतीय टीम ने खिताबी जीता है। केंद्रीय मंत्री ने विजेता टीम को सम्मानित किया। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री विजय कुमार चौधरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

तीसरे क्वार्टर में पेनाल्टी को दीपिका ने गोल में बदला

तीसरा क्वार्टर शुरू होने के 30 सेकंड के भीतर ही भारत को पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिसे दीपिका ने गोल में बदल दिया। इस तरह भारतीय टीम ने एक गोल की बढ़त बना ली। चौथे क्वार्टर में चीनी खिलाड़ियों की गलती से भारत को पेनाल्टी स्ट्रोक मिला, लेकिन इस बार दीपिका के शॉट को चीनी गोलकीपर ने रोक लिया। इसके बाद चीनी खिलाड़ियों ने आक्रामक रूख अपनाया। लेकिन भारतीय शेरनियों के सामने चीन की एक न चली। मैच खत्म होने से पहले चीन ने बराबरी करने की कोशिश की, लेकिन वह नाकाम रही। इस तरह भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबला जीत लिया। दीपिका ने फाइनल में यादगार गोल दागते हुए टीम इंडिया को चैंपियन बनाया। टूर्नामेंट में दीपिका का व्यक्तिगत गोल बढ़कर 11 हो गया। टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने कुल 29 किए। वहीं टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में 2016 के इतिहास को फिर से दोहराया है। मैच के दौरान राजगीर खेल परिसर दर्शकों से भरा रहा।

मलेशिया को हराकर जापान तीसरे स्थान पर

इससे पहले तीसरे नंबर के लिए जापान ने मलेशिया को 4-1 से मात दी। एशियन चैंपियनस ट्रॉफी में जापान तीसरे पायदान पर रहा। टूर्नामेंट में टीम इंडिया अजय रही है। उसने चीन को क्वालीफाइंग मैच में भारत ने 3-0 से हराया था। वहीं मलेशिया को 4-0 से कोरिया को 3-2 से थाईलैंड को 13-0 से एवं जापान को 3-0 और 2-0 से मात दे चुकी है।

तावड़े का नकदी मामला: कांग्रेस ने कहा- नकदी के साथ रंगे हाथों पकड़े हैं कार्रवाई हो, भाजपा बोली- बेबुनियाद हैं आरोप

नई दिल्ली

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की वोटिंग से एक दिन पहले मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर नकदी बांटने का आरोप लगने के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। बहुजन विकास अघाड़ी (बीवीए) नेता हितेंद्र ठाकुर ने तावड़े पर नकदी बांटकर चुनाव प्रभावित करने और मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने के आरोप लगाए। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ महाराष्ट्र के विरार स्थित विवांता होटल में तावड़े का घेराव करते हुए नारेबाजी की। इसके बाद भाजपा और विपक्षी दलों के बीच इस मामले में जमकर आरोप प्रत्यारोप लगाये गये। भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी ने कहा कि विनोद तावड़े हमारे राष्ट्रीय महासचिव हैं और पार्टी के कई कार्यों की देखरेख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार ने उनसे बैठक में भाग लेने के लिए कहा। वो पास से गुजर रहा थे तो उन्होंने बैठक में जाना उचित समझा। ऐसी बैठकें पार्टी कार्यकताओं को मतदान प्रक्रिया के संबंध में निर्देश देने के लिए की जाती हैं। वहीं कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने विनोद तावड़े को लोगों द्वारा नकदी के बंडलों के साथ रंगे हाथों पकड़े जाने का वीडियो दिखाया। उन्होंने बताया कि तावड़े को मुंबई के विरार पूर्वी के एक होटल से रंगे हाथों पकड़ा गया, जबकि वह

इस इलाके से ताल्लुक नहीं रखते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े खुलेआम पैसे बांटने आए थे, उनके पास से पांच करोड़ रुपये नकद बरामद हुए हैं। इसके साथ ही उनके पास एक डायरी मिली है, जिसमें 15 करोड़ रुपये का लेखा-जोखा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, सवाल है कि ये पैसा चुनाव के महज कुछ घंटे पहले क्यों बांटा जा रहा है। नियम कहता है कि चुनाव प्रचार थम जाने के बाद कोई भी किसी दूसरे चुनावी इलाके में नहीं रह सकता, ऐसे में विनोद तावड़े विरार पूर्वी में क्या कर रहे थे? उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र चुनाव में सत्ता और संसाधनों का धड़ल्ले से दुरुपयोग किया जा रहा है। ऐसे में सवाल है कि चुनाव आयोग अब कोई कार्रवाई करेगा या साक्ष्य मौजूद होने पर मूकदर्शक बना रहेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार चुनाव प्रचार के दौरान विपक्ष के बैग, हेलीकॉप्टर चेक करेगी, लेकिन इनके नेता खुद करोड़ों रुपये लेकर घूम रहे हैं।

एग्जिट पोल: महाराष्ट्र और झारखंड में भाजपा गठबंधन को बढ़त

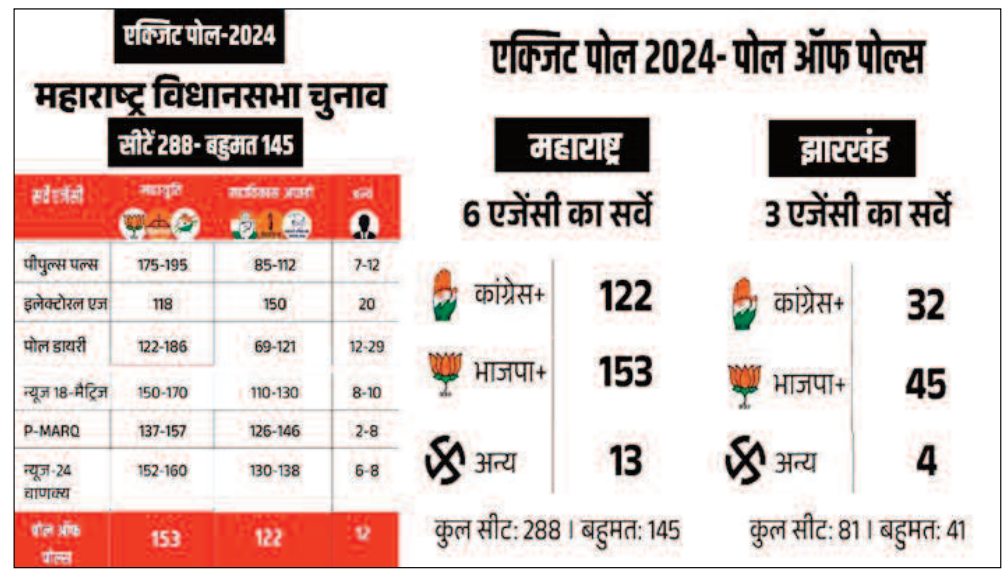

नई दिल्ली

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के मतदान बाद आए एग्जिट पोल के नतीजे दोनों राज्यों में भाजपा के लिए सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। महाराष्ट्र की 288 और झारखंड की 81 सीटों पर हुए चुनावों के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे, स्थिति तभी स्पष्ट हो पाएगी।

यहां महाराष्ट्र में हुए 6 एग्जिट पोल में से 5 ने भाजपा-शिवसेना गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनने का अनुमान जताया है। अधिकांश पोल के अनुसार, एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिलने की संभावना है। केवल एक एग्जिट पोल में कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन को बढ़त बताई गई है। इसी तरह झारखंड में अब तक आए 2 एग्जिट पोल ने भी भाजपा गठबंधन को बढ़त मिलने का अनुमान लगाया है।

राज्य में 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में मतदान हुआ था। दोनों पोल के मुताबिक भाजपा गठबंधन को बहुमत मिलने के आसार हैं। फिलहाल 23 नवंबर तक इंतजार करना होगा, जब मतगणना के बाद दोनों राज्यों में राजनीतिक स्थिति स्पष्ट होगी। एग्जिट पोल के नतीजे अगर सही साबित होते हैं, तो यह भाजपा के लिए एक और बड़ी जीत होगी। वहीं, विपक्षी पार्टियों के लिए यह आत्ममंथन का समय होगा।

वायु प्रदूषण: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को दिए विशेष निर्देश

अस्पतालों में व्यवस्था करने और वायु गुणवत्ता सुधारने उपायों को सख्ती से लागू करें

नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण गंभीर स्तर पर पहुंचा गया है। वहीं उसके आसपास के क्षेत्र व उत्तर भारत में वायु प्रदूषण को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। मंत्रालय ने राज्यों से प्रदूषण से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए अस्पतालों की व्यवस्था मजबूत करने और वायु गुणवत्ता सुधार के उपायों को सख्ती से लागू करने की अपील की है।

स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र भेजा जिसमें कहा गया है कि वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों की निगरानी के लिए

अस्पताल नेटवर्क का विस्तार किया जाए। गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए विशेष चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। मंत्रालय ने इंडियन कार्उंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि वायु प्रदूषण के कारण देश में हर साल करीब 1.7 मिलियन मौतें होती हैं। इनमें सांस संबंधी बीमारियां, हृदय रोग, ब्रेन स्ट्रोक और संक्रमण जैसी समस्याएं प्रमुख हैं।

दिल्ली-एनसीआर समेत अन्य प्रदूषित क्षेत्रों में अस्पतालों की ओपीडी और इमरजेंसी में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। फेफड़ों और हृदय से जुड़ी बीमारियों से ग्रसित मरीजों की हालत इस मौसम में और खराब हो रही है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। दिल्ली में प्रदूषण के चलते स्कूलों को बंद कर दिया गया है। मंत्रालय ने प्रदूषण नियंत्रण के साथ-साथ नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। लोगों को प्रदूषण के चलते घर के अंदर रहने, मास्क पहनने और स्मोकिंग से बचने की सलाह दी गई है।

बीएचयू में बदलाव: बीएचयू ऑनलाइन पोर्टल से मिलेगा पीएचडी में एडमिशन

वाराणसी

बीएचयू में पीएचडी एडमिशन को लेकर बड़ा बदलाव हुआ है। अब पीएचडी में समर्थ की जगह बीएचयू ऑनलाइन पोर्टल से एडमिशन होगा। एडमिशन प्रक्रिया में कठिनाई और कई कन्फ्यूजन के चलते बीएचयू अब अपने पोर्टल बीएचयू ऑनलाइन द्वारा ही फॉर्म भरवाएगा। हालांकि एनटीए ने अभी तक बीएचयू को नेट-जेआरएफ के क्वालिफाइड छात्रों की सूची नहीं सौंपी है। जैसे ही सूची आएगी, वैसे ही एडमिशन शुरू हो जाएगा। फिलहाल एनटीए से होने वाले एमओयू पर काम चल रहा है।

बीएचयू पीएचडी एडमिशन में दूसरा बड़ा अपडेट ये है कि संबंद्ध कॉलेजों के जो प्रोफेसर पहले से ही पीएचडी करा रहे हैं, उन्हें इस बार रिसर्च स्कॉलर नहीं मिलेंगे। बीएचयू के अपर परीक्षा नियंत्रक प्रो. जीपी सिंह ने बताया कि इस सत्र के पीएचडी एडमिशन में सभी चार संबंद्ध कॉलेजों के 100 से ज्यादा सीटों पर एडमिशन होना है। इनमें सिर्फ उन्हें ही शामिल किया गया है, जिनके पास रिसर्च स्कॉलर नहीं है। रिसर्च स्कॉलर पाने वाले सुपरवाइजर को खुद पीएचडी होना चाहिए। नॉन पीएचडी असिस्टेंट प्रोफेसर पीएचडी नहीं करा सकेंगे। वहीं कई मामलों में ये भी देखा जाता है कि सुपरवाइजर के पास तीन साल का अनुभव भी होना

जरूरी है। बीएचयू पीएचडी में इस साल पहली बार चार संबंद्ध कॉलेजों को शामिल करने का फैसला किया है। एकेडमिक कार्उंसिल की बैठक में इस फैसले पर मुहर लगी है। इसमें बताया गया था कि डीएवी पीजी कॉलेज, आर्य महिला पीजी कॉलेज, राजघाट स्थित वसंत कन्या महाविद्यालय और कमच्छा के वसंत कॉलेज में ये नई व्यवस्था लागू होगी। यहां चयनित पीएचडी छात्रों की प्री-पीएचडी बीएचयू मेन कैंपस स्थित संबंधित विभाग में होगी। वहीं, बाकी कोर्स वर्क, रिसर्च, लैब वर्क और क्लासेज कॉलेजों में चलेंगी। वहीं परीक्षाएं बीएचयू में होंगी।

संपादकीय

प्रदूषण राष्ट्रीय शर्म है

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जानलेवा प्रदूषण और सरकारों के कामकाज को अब राष्ट्रीय शर्म घोषित कर देना चाहिए। इसके अलावा विकल्प भी क्या है? जिस समय सर्वोच्च अदालत के कोर्ट रूम में प्रदूषण पर सुनवाई चल रही थी, उस समय वहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 994 था। वह बेहद गंभीर श्रेणी का प्रदूषण था। दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता 978 भी दर्ज की गई। ऐसे प्रदूषण में जीना भी राष्ट्रीय शर्मिन्दगी है। सर्वोच्च अदालत का वह विशेष और संवेदनशील कक्ष होता है, जहां की हवा ह्यगैस चैंबर के हालात को भी लांघ गई थी। यह शर्मनाक स्थिति नहीं है, तो और क्या है? राजधानी दिल्ली की प्रदूषित हवा का औसत सूचकांक 500 को पार कर चुका है। अब एक दिन ऐसा आएगा, जब सडकों पर मास्कधारी आबादी ही दिखाई देगी, लिहाजा अब सर्वोच्च अदालत की फटकार ही पर्याप्त नहीं है। अब सर्वोच्च अदालत सरकारों से सवाल न करे, बल्कि राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों को ह्याप्रतीकात्मक जेलह्व की सजा सुनाए। प्रदूषण सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक ही सीमित नहीं है। यहां तो ह्यगैस चैंबर से भी बदतर हालात हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या 30-35 फीसदी बढ़ गई है। सांसें टूट रही हैं। दिल का दौरा पड़ा है। अस्थमा, दमा का अटैक पड़ा है। लोग बुरी तरह खांस रहे हैं। मस्तिष्क पर भी प्रभाव पड़ा है, लिहाजा ऐसे मरीज भी अस्पताल तक दौड़ रहे हैं। आम दृश्यता धुंध में कहीं खो गई है, लिहाजा 100 से अधिक विमान देरी से उड़े, 15 को अन्य राज्यों की ओर मोड़ा गया और कुछ उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यह कोई आपातकाल या संक्रमण काल नहीं है, रोजमर्रा की जिंदगी पर प्रदूषण का प्रभाव है। प्रदूषण से 22 लाख लोग सालाना मर जाते हैं। करीब 90 करोड़ भारतीय ह्यगंभीरतम प्रदूषणह्व में सांस लेने को विवश हैं। वे भी हरेक सांस के साथ अकाल मृत्यु की तरफ बढ़ रहे हैं। पर्यावरण में इतना धुआं औसत आदमी एक दिन में 49.2 सिगरेट पीने के समान निगलने को विवश है। हरियाणा में यह औसत 33.25 सिगरेट के धुएं के बराबर है। उप्र और बिहार में प्रतिदिन लोग औसतन 10 सिगरेट पीने को मजबूर हैं। आदमी के दिल, फेफड़े और गुर्दे कब तक साथ देंगे? आम आदमी की उम्र औसतन 8 साल घट रही है। हम लोग छोटे, बौने, निहित स्वार्थ के मुद्दों पर साल भर में औसतन एक लाख से अधिक आंदोलन करने के आदी हैं। जाति, धर्म, आरक्षण, आर्थिक मुद्दों पर भी राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़े गए हैं, लेकिन प्रदूषण जैसे जानलेवा हालात पर कोई आंदोलन नहीं! हालिया चुनावों में भी प्रदूषण पर कोई चर्चा, बहस सामने नहीं आई है। हमारे सामने चीन का उदाहरण है। वह एक तानाशाही किस्म का देश है, लेकिन वहां लोगों ने गैस चैंबर सरीखे प्रदूषण पर ऐसा आंदोलन छेड़ा कि सरकार हिल गई। आज वहां प्रदूषण लगभग नियंत्रण में है। भारत में वैसा क्यों नहीं किया जा सकता? सर्वोच्च अदालत भी फटकारना बंद करे और संवैधानिक दायित्व तय करे, क्योंकि स्वच्छ हवा में सांस लेना भी हमारा संवैधानिक अधिकार है। पराली जलाना, घरेलू धुआं, औद्योगिक प्रदूषण, वाहनों से निकलने वाले जहरीले कण, पाबंदी के बावजूद आतिशबाजी आदि के मद्देनजर ग्रैप-4 की पाबंदियां भी स्थायी और पर्याप्त असरकारक नहीं हैं। बड़े वाहन बंद, निर्माण-कार्य बंद, फैक्ट्रियों में उत्पादन बंद, दफ्तर बंद, स्कूल बंदह्वआखिर निठल्ले बैठकर प्रदूषण से कैसे लड़ा जा सकता है? प्रदूषण पर असर डालने वाले कारकों पर सोचना होगा, लिहाजा सरकारें विशेषज्ञों की सलाह लें। जिम्मेदारी भारत सरकार की भी है, बल्कि ज्यादा है। दिल्ली में ही राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और पूरी कैबिनेट, संसद स्थित हैं। सर्वोच्च अदालत और प्रधान न्यायाधीश भी दिल्ली में ही मौजूद हैं। सभी देशों के दूतावास भी दिल्ली में हैं। राजधानी होने के कारण दिल्ली की अपनी प्रतिष्ठा और गरिमा है। यदि प्रदूषण वाकई ह्याराष्ट्रीय शर्मह्व मान लिया गया, तो भारत की छवि कलंकित होगी। प्रदूषण से जानलेवा खतरा हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, दलित, पिछड़ों सभी को है, लिहाजा इस मुद्दे पर क्षुद्र राजनीति भी नहीं करनी चाहिए। यदि सरकारें प्रदूषण काबू करने में ही नाकाम, असहाय हैं, तो उन्हें बर्खास्त कर देना चाहिए। प्रदूषण के मोर्चे पर अब लीक से हट कर कुछ सार्थक करने की जरूरत है। सरकारों के पास संसाधन और अधिकार दोनों हैं।

(चिंतन-मनन)

सेवाभाव ही सर्वोपरि

एकनाथ देवगढ़ राज्य के दीवान जनार्दन स्वामी के शिष्य। एक बार गुरू देव ने एकनाथ को राजदरबार का हिसाब करने को कहा। एकनाथ बहि-खाता लेकर हिसाब करने बैठ गये। दूसरे ही दिन सुबह हिसाब राजदरबार में देना था। सारा दिन हिसाब लिखने और करने में बीत गया। दिन में बैठे कब रात हो गयी उन्हें पता ही न चला। सेवक दीपक जलाकर चला गया। हिसाब में एक पायी की भूल आ रही था। आधी रात बीत गयी मगर भूल पकड़ में ही नहीं आ रही थी। संत जी हिसाब में खोये रहे। भोर फटते ही गुरू देव एकनाथ के कमरे में आए तो सेत जी को हिसाब में खोये पाया।

बहियों पर अंधेरा होने पर भी एकनाथ हिसाब में लगे रहे। इतने में एक पायी की भूल पकड़ में आ गयी। एकनाथ खुशी से चिल्ला पड़े,मिल गयी,मिल गयी। गुरू देव ने पूछा,क्या मिल गया बेटा? एकनाथ विस्मय से बोले कि हिसाब में एक पायी की भूल पकड़ में नहीं आ रही थी वह मिल गयी है। लाखों के हिसाब में एक पायी की भूल के लिए रात भर का जागरण। गुरू देव की सेवा में इतनी लगन और दृढ़ निश्चय देखकर गुरू देव के दिल से गुरूकृपा बह निकली क्योंकि उन्हें ज्ञानामृत की वर्षा करने के लिए योग्य अधिकारी जो मिल गया था।

जुकाम में खूब खाएं, बुखार में नहीं

एक कहावत है, फीड ए कोल्ड, स्टार्व ए फीवर। यानी जुकाम के समय खूब खाओ और बुखार के समय भूखे रहो। लगता है इस कहावत में कुछ दम है। भरपेट खाने और भूखे रहने के असर शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर एकदम अलग-अलग होते हैं। वैसे डॉक्टर उक्त कहावत को ज्यादा महत्व नहीं देते। एम्सटर्डम के एकेडमिक मेडिकल सेंटर में किए गए अनुसंधान से कुछ रोचक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पता चला है कि भरपेट भोजन करने से प्रतिरक्षा तंत्र का एक पक्ष प्रेरित होता है। यह जुकाम पैदा करने वाले वायरसों का सफाया करता है, जबकि भूखे रहने से प्रतिरक्षा तंत्र का वह पक्ष सक्रिय होता है, जो बुखार के लिए उत्तरदायी बैक्टीरिया का सामना करता है। सेंटर के वैज्ञानिक गिस वान डेन ब्रिन्क और उनके साथियों ने एक क्रिसमस दावत के दौरान अतिथियों के रक्त के नमूने प्राप्त किए। वे देखना चाहते थे कि क्या प्रतिरक्षा तंत्र पर अल्कोहल का कोई असर होता है? पता चला कि अल्कोहल का तो कोई असर नहीं होता, लेकिन भोजन का असर अवश्य होता है। यह देखकर वैज्ञानिकों ने छह लोगों से अनुरोध किया कि वे एक रात भूखे रहें और फिर अगले दिन सुबह प्रयोगशाला में आएं। इन्हीं लोगों को एक बार तरल भोजन देकर भी परीक्षण किए गए। देखने में आया कि तरल भोजन के लगभग 6 घंटे बाद उनके खून में गामा इंटरफेरॉन की मात्रा सामान्य से चौगुनी हो गई थी। गामा इंटरफेरॉन उन तमाम कोशिकाओं को नष्ट करती है, जिसमें कोई विषाणु (वायरस) घुस चुका हो। यह प्रतिरक्षा मूलत: वायरसों के विरुद्ध काम करती है। लगता है कि भरपेट भोजन इसे बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जब इन्हें सिर्फ पानी पिलाया गया तो उनमें इंटरफेरॉन की मात्रा में तो थोड़ी सी कमी आई मगर एक अन्य रासायनिक संदेशवाहक इंटरल्यूकीन-4 की मात्रा चौगुनी हो गई। इंटरल्यूकीन-4 हमारी कोशिकाओं के बाहर मंडराते रोगजनक तत्वों पर हमला करता है। बैक्टीरिया आमतौर पर यही करते हैं, कोशिकाओं के बाहर टहलते रहते हैं। इनमें से कई बैक्टीरिया बुखार के कारक हैं। वैसे ब्रिन्क ने चेतावनी दी कि यह एक बहुत छोटा सा अध्ययन है। लोगों को इसके आधार पर अपने तौर-तरीके बदलने की उतावली नहीं करनी चाहिए। वैसे एक अन्य अध्ययन ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि की है। एम्सटर्डम के ही फ्री यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि ग्लूटैमीन नामक एक अमीनो अम्ल भी इंटरफेरॉन जैसी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देता है।

अगर खुजली से हैं परेशान तो इन्हें आजमाइए

खुजली एक त्वचा रोग है, जिससे व्यक्ति काफी परेशान और निराश हो जाता है। खुजली के लिए सबसे कारगर उपाय है तेल की मालिश जिससे रूखी और बेजान त्वचा को नमी मिलती है। चलिए जानते हैं खुजली के कुछ घरेलू इलाज।

1. खुजली होने पर प्राथमिक सावधानी के तौर पर सफाई का पूरा ध्यान रखिए।
2. साबुन का प्रयोग जितना भी हो सकता है कम कर दें और सिर्फ मृदु साबुन का ही प्रयोग करें।
3. कभी कभी त्वचा को सुगंधित पदार्थों, क्रीम, लोशन, शैंपू, जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायनों से भी एलर्जि हो जाती है। इसलिए सही तरीके का लोशन इत्यादि ही लगाएं।
4. अगर आपको कब्जा है तो उसका भी इलाज करवाएं।
5. हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और नीम की पत्ती का लेप लगाएं, उसके बाद साफ पानी से शरीर को धो लें।
6. थोडा सा कपूर लेकर उसमें दो बड़े चम्मच नारियल का तेल मिलाकर खुजली वाले स्थान पर नियमित लगाने से खुजली मिट जाती है। हां, तेल को हल्का सा गरम करके ही कपूर में मिलाए।
7. यदि जनेंद्रिय पर खुजली की शिकायत हो, तो गर्म पानी में फिटकरी मिलाकर उसे लगाएं।
8. नारियल तेल का दो चम्मच लेकर उसमें एक चम्मच टमाटर का रस मिलाइए। फिर खुजली वाले स्थान पर भली प्रकार से मालिश करिए। उसके कुछ समय बाद गर्म पानी से स्नान कर लें। एक सप्ताह ऐसा लगातार करने से खुजली मिट जाएगी।
9. यदि गेहूं के आटे को पानी में घोल कर उसका लेप लगाया जाए, तो विविध चर्म रोग, खुजली, टीस, फोडे-फुंसी के अलावा आग से जले हुए घाव में भी राहत मिलती है।
10. सवेरे खाली पेट 30-35 ग्राम नीम का रस पीने से चर्म रोगों में लाभ होता है, क्योंकि नीम का रस रक्त को साफ करता है।
11. खुजली से परेशान लोगों को चीनी और मिठाई नहीं खानी चाहिए। परवल का साग, टमाटर, नीबू का रस आदि का सेवन लाभप्रद है।

वजन कम ना होने के पांच मुख्य कारण

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बार-बार जिम जाने से भी आपके वजन में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है, तो इसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। पूरी तरह से वजन कम करने के लिए कई ऐसे उपाए हैं जो काफी कारक हैं। जिनमें से सही तरीके से लिया गया आहार और व्यायाम सर्वक्षेष्ठ स्थान रखता है। पर इसके अलावा भी ऐसे और भी कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से आपके वजन में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। चलिए बात करते हैं इन्हीं कारणों की।

पांच महत्तवपूर्ण कारण क्या हैं-

1. अनुचित डाइट प्लैन: आपको जरुरत है ऐसी आहार योजना कि जो खास आपके शरीर की जरुरत के हिसाब से तैयार की गई हो। इसको तैयार करने के लिए यह देखना बहुत जरुरी है कि आप कौन सा कार्य करते हैं और आपकी रोज़ की दिनचर्या कैसी है। अगर आप रोज़ जिम जाते हैं और वापस घर पर आकर दिन भर सोते रहते हैं तो किसी भी प्रकार का डाइट प्लैन अपको पतला नहं कर पाएगा।

2. ब्रेकिंग प्वांइट: यहां पर ब्रेकिंग प्वांइट हम उसे कहते हैं, जिस समय व्यक्ति का वजन कम होना शुरू हो जाता है। अगर आप ऐसा सोंचते हैं कि एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद ही आपका वजन कम होने लगेगा तो ऐसा नहीं होता। सबसे पहले शरीर में से पानी, फिर ऊर्जा और अंत में वसा कम होना शुरु होता है। हर व्यक्ति का ब्रेकिंग प्वांइट अलग अलग होता है। जहां कई लोग चार ही दिनों में किलो भर वजन कम कर लेते हैं, वहीं पर कुछ लोगों का वजन दो हफ्ते बाद भी वैसा ही रहता है। इसलिए आपको कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

3. व्यायाम की सही योजना: अगर आप काफी समय से सिर्फ वही पुरानी एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपके शरीर को उसकी आदत हो जाएगी। इसलिए आपको अपनी एक्सरसाइज को कुछ कुछ दिनों या महीनों पर परिवर्तित कर लेना चाहिए।

4. कार्डियो और वेट ट्रेनिगं का उचित मिश्रण: वर्कआउट हमेशा इन्ही दो महत्वपूर्ण भागों में बंटा होता है। आपको वजन कम करने के लिए हमेशा 80 प्रतिशत कार्डियो करना चाहिए। जिसमें ट्रेडमिल, साइकिलिगं और जौगिगं शामिल होती है। वेट ट्रेनिगं मासपेशियों को टोन करने के लिए किया जाता है।

5. हार्मोनल असंतुलन: अगर फिर भी आपका वजन कम होने का नाम नहीं ले रहा है तो शायद शरीर में आंतरिक रूप से ही कोई समस्या हो। थाइरॉइड ग्लैन्ड के सही से काम ना कर पाने की वजह से भी वजन कम नहीं होता चाहे आप कितनी भी कोशिश क्यूं ना कर लें।

अकेले पड़ते बुजुर्गों की बढ़ती मुश्किलें

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

देश के वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बहुत से वरिष्ठ नागरिक गंभीर आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनकी कोई नियमित आय नहीं है, पेंशन या सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं तक उनकी पहुँच सुलभ नहीं है। बुजुर्गों की सामाजिक जरूरतें क्या हैं? ये जरूरतें सेहत के लिए जरूरी हैं, जिनमें परिवार और दोस्तों के साथ सम्बंध, सार्थक गतिविधियों में भागीदारी और स्वायत्तता और गरिमा का संरक्षण शामिल है। इन जरूरतों को सम्बोधित करना सिर्फ.फायदेमंद ही नहीं है; यह हमारी वृद्ध आबादी के स्वास्थ्य और खुशी के लिए भी जरूरी है। वृद्धों की सामाजिक जरूरतों को पूरा करना एक नाजुक पौधे की देखभाल करने जैसा है। उन्हें खिलने के लिए सावधानीपूर्वक ध्यान, निरंतर देखभाल और पोषण देने वाले वातावरण की आवश्यकता होती है। आखिरकार, सामाजिक जरूरतें सिर्फ.मानवीय संपर्क की बुनियादी जरूरतों से कहीं ज्यादा हैं। वे किसी व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य का आधार बनती हैं, जो शारीरिक स्वास्थ्य और भावनात्मक स्थिरता दोनों को प्रभावित करती हैं।

बुजुर्गों (60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति) की संख्या 2011 में 100 मिलियन से बढ़कर 2036 में 230 मिलियन हो जाएगी। 2050 तक, बुजुर्गों की आबादी कुल आबादी का लगभग पाँचवाँ हिस्सा होने की उम्मीद है। इससे भारत में बुजुर्गों की आबादी का कल्याण एक आसन्न आवश्यकता बन जाती है। बुजुर्गों की आर्थिक कमजोरी जैसे कि अनौपचारिक क्षेत्र के बड़े कार्यबल में पेंशन कवरेज का अभाव है। (भारत में 80% से अधिक कार्यबल अनौपचारिक है) स्वास्थ्य सेवा की बढ़ती लागत और सीमित बचत वित्तीय चुनौतियों को बढ़ाती है। प्रवास और बदलती संरचनाओं के कारण परिवार की सहायता प्रणाली कमजोर हो रही है। पेंशन कवरेज का विस्तार करें, किफायती स्वास्थ्य बीमा शुरू करें (आयुष्मान भारत योजना का विस्तार सभी बुजुर्गों के लिए एक अच्छा कदम है), वरिष्ठ नागरिकों के लिए निवेश विकल्प बनाएँ और रिवर्स मॉर्गेज को बढ़ावा दें। वरिष्ठ नागरिक समाज में अलगाव की स्थिति से भी त्रस्त हैं। उनमें सामाजिक संपर्कों की कमी के कारण अकेलापन बना रहता है। उनको अपनी संपत्ति की सुरक्षा और अपने साथ होने वाले अपराधों से बचाव की भी जरूरत होती है। वरिष्ठ नागरिकों, खासकर अकेले रहने वाले व्यक्तियों, के साथ उनकी संपत्ति से जुड़े और उनके साथ होने वाले अपराधों के समाचार आते रहते हैं। संयुक्त परिवारों और प्रवास में कमी के कारण कई बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं, जिससे अवसाद और चिंता होती है। सांस्कृतिक बदलावों ने अंतर-पीढ़ीगत सम्बंधों को भी प्रभावित किया है। बुजुर्गों के प्रति पारंपरिक सम्मान और श्रद्धा, जो कभी भारतीय समाज की आधारशिला हुआ करती थी, अब सूक्ष्म बदलावों से गुजर रही है। बुजुर्ग महिलाएँ, खास तौर पर विधवाएँ, अक्सर सामाजिक अलगाव के ज्यादा गंभीर रूपों का सामना करती हैं। प्रौद्योगिकी के साथ चुनौतियाँ डिजिटल विभाजन बुजुर्गों को और अलग-थलग कर देता है। सामुदायिक जुड़ाव कार्यक्रम, वरिष्ठ क्लब, अंतर-पीढ़ी कार्यक्रम और स्वयंसेवा के अवसर हैं। बुजुर्गों के कल्याण के लिए उपाय जैसे कि बुनियादी ढाँचा विकास, आयु-अनुकूल स्थान, सुलभ परिवहन और वृद्धावस्था स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करेगा, जिससे गतिशीलता, स्वतंत्रता और सामाजिक संपर्क में सुधार होगा। ऑनलाइन सेवाओं तक पहुँचने के लिए बुजुर्गों के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम। मानवीय संपर्क बनाए रखने के लिए टेलीमेडिसिन और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली। सरकार, गैर सरकारी संगठनों (एजवेल फाउंडेशन), निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग जरूरी है। धार्मिक संस्थाएँ सामाजिक और आध्यात्मिक सहायता प्रदान कर सकती हैं। अवसाद और चिंता से निपटने के लिए सुलभ परामर्श, सहायता समूह और गतिविधियाँ। पारिवारिक सहायता को मजबूत करना और परामर्श और अंतर-पीढ़ी कार्यक्रमों के माध्यम से पारिवारिक बंधन को बढ़ावा देना। बहु-पीढ़ी के परिवारों के लिए प्रोत्साहन जैसे कि स्विट्जरलैंड की टाइम बैंक पहल की नकल। इस पहल के तहत, युवा पीढ़ी वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल करके 'समय' बचाना शुरू करती है। बाद में, वे बचाए गए 'समय' का उपयोग तब कर सकते हैं जब वे बूढ़े हो जाते हैं, बीमार हो जाते हैं या उन्हें किसी की जरूरत होती है जो उनकी देखभाल करे। इस पहल को भारतीय व्यवस्था में लागू किया जाना चाहिए। भारत को भविष्य में सेवानिवृत्ति की आयु को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी के अवसरों को जोखिम में न डाला जा सके। बुजुर्ग आबादी के लिए सरकारी योजनाएँ जैसे वृद्ध व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय नीति 2011, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, राष्ट्रीय वयोश्री योजना, प्रधानमंत्री वय वंदना योजना, वरिष्ठ देखभाल एजिंग ग्रोथ इंजन पहल और पोर्टल इसे सुचारू और मजबूत बनाएंगे। बुजुर्ग भारत अपने बुजुर्गों के लिए एक देखभाल करने वाला भारत भी हो सकता है। दोनों पहलुओं (वित्तीय और साथ ही सामाजिक कमजोरियों) को सम्बोधित करने वाली समावेशी, सुलभ और व्यापक कल्याण योजनाएँ बनाकर, भारत यह सुनिश्चित कर सकता है कि उसकी बुजुर्ग आबादी सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक जुड़ाव के साथ आगे बढ़े। वृद्धों की सामाजिक जरूरतों को सम्बोधित करना उनके समग्र कल्याण के लिए महत्त्वपूर्ण है। चाहे वह सार्थक सम्बंधों को बढ़ावा देना हो, नियमित सामाजिक संपर्कों को प्रोत्साहित करना हो, स्वतंत्रता को बढ़ावा देना हो, या पेशेवर सहायता और सेवाएँ प्रदान करना हो, प्रत्येक तत्व सफल बुढ़ापे को सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जबकि सामाजिक अलगाव और सामाजिक भागीदारी में बाधाओं जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं, उन्हें व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामुदायिक और पेशेवर सहायता से दूर किया जा सकता है। जैसा कि हम अपनी वृद्ध आबादी की सेवा करना जारी रखते हैं,

क्या ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवा सकते हैं?

-राजेश कुमार पासी-

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान घोषणा की थी कि वो सत्ता में आते ही 24 घंटे में रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवा सकते हैं। चुनाव जीतने के बाद भी उन्होंने अपनी इस घोषणा को दोहराया है। अब सवाल उठता है कि क्या सच में ट्रंप इस युद्ध को 24 घंटे में रुकवा सकते हैं। दूसरा सवाल यह है कि ट्रंप इस युद्ध को क्यों रोकना चाहते हैं जबकि यूक्रेन को युद्ध के लिए उकसाने वाला अमेरिका ही है। देखा जाए तो युद्ध हमेशा अमेरिका के लिए फायदेमंद रहा है फिर चाहे वो प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध ही क्यों न रहे हों। युद्धों से अमेरिका का हथियार उद्योग फलता-फूलता है इसलिये अमेरिका को युद्ध फायदेमंद दिखाई देते हैं। अगर निष्पक्ष रूप से विश्लेषण किया जाए तो पता चलेगा कि ज्यादातर युद्धों के पीछे अमेरिका का हाथ रहा है। अगर यूक्रेन को अमेरिकी समर्थन नहीं मिलता तो वो कभी भी युद्ध के लिए रूस को उकसाने की कोशिश नहीं करता। बाइडेन सरकार इस युद्ध को अमेरिका के हितों के लिए अच्छा मानती है तो डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध को अमेरिकी हितों के खिलाफ मानते हैं। वास्तव में बाइडेन रूस को अमेरिका का नम्बर एक दुश्मन मानते हैं तो ट्रंप रूस की जगह चीन को अमेरिका का दुश्मन नम्बर एक मानते हैं। इसलिए किसी को यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि ट्रम्प दुनिया में शांति लाना चाहते हैं क्योंकि वैश्विक शांति अमेरिका के हितों के खिलाफ है। वास्तव में ट्रंप विश्व शांति के लिए नहीं बल्कि अमेरिकी हितों की सुरक्षा के लिए इस युद्ध को रुकवाना चाहते हैं तो दूसरी तरफ बाइडेन भी अमेरिकी हितों की सुरक्षा के लिए युद्ध को रोकना नहीं चाहते। अब सवाल उठता है कि डोनाल्ड ट्रंप को ये युद्ध अमेरिकी हितों के खिलाफ क्यों दिखाई दे रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि ट्रम्प अच्छी तरह से जानते हैं कि अमेरिकी जनता इस युद्ध से तंग आ चुकी है और वो अब सवाल कर रही है कि आखिर अमेरिकी सरकार इस युद्ध में उसकी कमाई क्यों फूंक रही है। अमेरिकी जनता अच्छी तरह जानती है कि इस युद्ध में यूक्रेन कभी जीतने वाला नहीं है, इसलिये इस युद्ध को लड़ने का कोई औचित्य नहीं है। जिस युद्ध में हार निश्चित है उसे लड़ना सिर्फ मूर्खता ही कहा जा सकता है. इसलिए अमेरिकी जनता ने चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का साथ दिया है। सैन्य विशेषज्ञ मानते हैं कि इस युद्ध के कारण अमेरिका के खिलाफ एक सैन्य गठबंधन खड़ा हो रहा है। इस युद्ध ने अमेरिका के दुश्मनों को एक गठबंधन में बांधना शुरू कर दिया है जिससे कि दुनिया में अमेरिकी वर्चस्व को बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। मीडिया रिपोर्ट बता रही हैं कि आज रूस की सेना के साथ मिलकर उत्तर कोरिया के दस हजार सैनिक यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं और इन सैनिकों की संख्या आगे बढ़ने वाली है। ईरान अपने आत्मघाती ड्रोन और मिसाइलों से रूस की मदद कर रहा है। चीन और भारत अमेरिकी प्रतिबंधों की परवाह न करते हुए रूस से जमकर तेल खरीद रहे हैं। इन दोनों देशों ने रूस से इतना तेल खरीदा है कि अमेरिका और उसके मित्रों द्वारा रूस पर लगाये गए प्रतिबंध बेअसर साबित हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति चिनपिंग ने ब्रिक्स का विस्तार करना शुरू कर दिया है और ये संगठन आगे चलकर अमेरिका और यूरोपीय देशों के वर्चस्व को खत्म कर सकता है। इस युद्ध के कारण दुनिया के दो ताकतवर देश चीन और भारत रूस के नजदीक जा रहे हैं जो अमेरिका के लिए खतरे की बड़ी घंटी है। ट्रम्प इस युद्ध के कारण अमेरिका के खिलाफ तैयार हो रहे गठबंधन को रोकना चाहते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इस युद्ध के कारण अमेरिका के पास हथियारों की कमी पैदा हो गई है। इस समय अमेरिका के पास सिर्फ 3-4 हफ़्तों तक ही युद्ध लड़ने के लिए हथियार बचे हैं। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के लिए यह चिंता की बड़ी बात है कि अगर अचानक इस हालत में चीन से युद्ध हो जाता है तो अमेरिका की क्या हालत होगी। अमेरिका को यूक्रेन के अलावा इजराइल को भी हथियार देने पड़ रहे हैं इसलिए अमेरिका के लिए जरूरी है कि ये युद्ध खत्म हो जाये। इस बात से सहमत नहीं हुआ जा सकता कि इस युद्ध को कोई 24 घंटे में रुकवा सकता है फिर चाहे डोनाल्ड ट्रंप कुछ भी कहते रहे। वास्तव में डोनाल्ड ट्रंप अगर सत्ता में आते ही यूक्रेन को पूरी अमेरिकी मदद रोक भी देते हैं तो भी यूक्रेन रुकने वाला नहीं है। फिर दूसरा खतरा यह है कि बाइडेन सरकार जाते-जाते यूक्रेन को इतनी मदद दे सकती है कि वो कम से कम एक साल तक युद्ध जारी रख सकता है क्योंकि अभी दो महीने तक सत्ता बाइडेन के हाथ में ही रहेगी। इसके अलावा यह भी महत्वपूर्ण है कि यूक्रेन सिर्फ अमेरिकी मदद के भरोसे ही रूस से युद्ध नहीं लड़ रहा है बल्कि यूरोपीय देश भी उसकी मदद कर रहे हैं। इसकी क्या गारंटी है कि अगर अमेरिका यूक्रेन की मदद रोक देता है तो यूरोपीय देश भी उसकी मदद बंद कर देंगे। यह ठीक है कि अगर अमेरिका यूक्रेन की मदद बंद कर देता है तो यूरोप के लिए ज्यादा देर तक उसकी मदद करना मुश्किल होगा। यूरोपियन यूनियन पहले ही यूक्रैन को बड़ी आर्थिक मदद का ऐलान कर चुकी है तो जर्मनी ने अपने हथियार उत्पादन को कई गुना बढ़ा दिया है। उसने कहा है कि हमने अभी तक यूक्रेन को बहुत कम मदद की है. हम इससे कई गुना बड़ी मदद कर सकते हैं। यूरोपीय देश अभी से अमेरिकी मदद बंद होने की संभावना को देखते हुए यूक्रैन की मदद बढ़ाने की घोषणा कर रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है कि क्या सिर्फ यूक्रैन की मदद बंद करके अमेरिका इस युद्ध को रोक सकता है। देखा जाए तो इस समय अमेरिका और रूस में संवादहीनता पैदा हो गई है जो कि वैश्विक शांति के लिए बहुत खतरनाक परिस्थिति है। डोनाल्ड ट्रंप के साथ अच्छी बात यही है कि वो पुतिन से संवाद करना चाहते हैं। वो रूस और यूक्रैन को बातचीत की मेज पर ला सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी कहते हैं कि युद्ध का खात्मा बातचीत से ही हो सकता है इसलिए इस मामले में ट्रम्प को भारत की मदद भी मिल सकती है। अब समस्या यह है कि दोनों देशों को समझौते के लिए राजी कैसे किया जाएगा। रूस ने यूक्रैन का बड़ा हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया है जिसे वो अब छोड़ने वाला नहीं है। दूसरी तरफ यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेन्स्की अपने देश का बड़ा हिस्सा छोड़कर कैसे समझौता कर सकते हैं। इस युद्ध को रोकना इतना आसान नहीं है जितना डोनाल्ड ट्रंप समझ रहे हैं।

जो बाइडेन अभी दो महीने तक सत्ता में हैं और वो इस दौरान बड़ा खेल कर सकते हैं। वैश्विक मीडिया के अनुसार उन्होंने यूक्रैन को रूस पर लंबी दूरी की मिसाइलों से हमला करने की छूट दे दी है। अगर यूक्रैन रूस के अंदर तक इन मिसाइलों से हमला कर देता है तो डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने से पहले ही मामला बहुत बिगड़ सकता है। रूस ने घोषणा की है कि अगर उस पर लंबी दूरी की मिसाइलों से हमला होता है तो वो नाटो देशों पर हमला कर सकता है। वास्तव में अभी तक यूक्रैन को सिर्फ अपनी रक्षा करने के लिए हथियारों के इस्तेमाल की इजाजत थी लेकिन रूस में अंदर तक घुसकर मारने वाले हथियारों के इस्तेमाल की मनाही थी। रूस का मानना है कि यूक्रेन के पास ऐसे हथियार नहीं हैं जिनसे रूस पर हमला किया जा सके। अगर यूक्रेन ऐसे हथियारों से हमला करता है तो रूस मान लेगा कि नाटो देश यूक्रेन से उसके ऊपर हमला कर रहे हैं। ऐसे में उसे नाटो देशों पर हमला करने का पूरा अधिकार होगा। देखा जाए तो अगर रूस नाटो देशों पर हमला करता है तो तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो सकता है। इस बात की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि इस युद्ध में परमाणु हथियारों का भी इस्तेमाल हो सकता है। ये बड़ी अजीब बात है कि एक तरफ अमेरिका के होने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप युद्ध को रुकवाने की कोशिश कर रहे हैं तो अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन युद्ध को भड़काने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। युद्ध किसी के लिए भी अच्छा विकल्प नहीं है इसलिए हमें उम्मीद करनी चाहिए कि डोनाल्ड ट्रंप सफल हों ताकि दुनिया में शांति की स्थापना हो। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस बार विश्व युद्ध में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल हो सकता है इसलिए इसको रोकने की कोशिश होनी चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप के लिए युद्ध रोकना मुश्किल जरूर है लेकिन असंभव नहीं है। जो बाइडेन के लिए युद्ध भड़काना बहुत आसान है। अमेरिकी जनता को ऐसे व्यक्ति को बड़ा कदम उठाने से रोकना चाहिए जो चुनाव हार चुका है और जनता का विश्वास खो चुका है। ये अमेरिकी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बड़ी कमजोरी है कि चुनाव में हार चुका व्यक्ति दो महीने तक अभी सत्ता में रहेगा।

गुरु नानक देव जी का 555 वा प्रकाशोत्सव धूमधाम से मनाया गया

मिशन नेशनल न्यूज / लव कुमार शर्मा

हरिद्वार/ कनखल क्षेत्र निर्मल विरक्त कुटिया स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारे में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रथम गुरु गुरु नानक देव जी का 555वा प्रकाशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रकाशोत्सव समागम में हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर श्री गुरु ग्रन्थ साहिब के आगे माथा टेका। इस दौरान कथावाचक ज्ञानी जसवंत सिंह मंजी साहिब दरबार साहिब अमृतसर वाले ने कथा सुनाकर और रागी जत्थे भाई हरप्रीत सिंह, भाई गुरप्रीत सिंह ने कीर्तन सुनाकर संगत को निहाल किया। इस अवसर पर बाबा सुल्तान सिंह लाड़ी पौंटा साहिब और बाबा पंडत ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी ने देश विदेश में धर्म का प्रचार किया। उन्होंने ऐसा धर्म स्थापित किया जिसमें भेदभाव का कोई स्थान नहीं है। उनके द्वारा 20 रुपए से शुरू किया गया लंगर कभी किसी को भूखे पेट नहीं सोने देता। आपसी भाईचारे से समाज और देश आगे बढ़ता है।

इस अवसर पर सूबा सिंह ढिल्लो, मालक सिंह, उज्जल सिंह, सुखदेव सिंह, सोनू सिंह, सतपाल सिंह चौहान, जसवंत सिंह, हरविंदर सिंह, हरजिंदर सिंह, नवजिंदर सिंह, मंजीत सिंह, अमृत सिंह, गुरमेज सिंह, निहाल सिंह, सूरत सिंह ढिल्लो, आकाश, हरविंदर सिंह घुम्मन, भारतीय किसान यूनियन अध्यक्ष विजय कुमार शास्त्री, मदन फौजी, लवकुश, सुखराम पाल सिंह, कालूराम, सुधीर, अरविंद, अनिल सुखीजा, रिंकू पाल, जसवंत सिंह, अमरीक सिंह, प्रीतपाल सिंह, इकबाल सिंह, हरदीप सिंह, परमिंदर सिंह, विक्रम सिंह आदि हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे।

नायब तहसीलदार रुड़की ओर मंगलोर की दो टीम गठित कर स्वम भी छापेमारी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

रुड़की, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट महोदय रुड़की को अवैध खनन की सूचना प्राप्त होने पर नायब तहसीलदार रुड़की ओर मंगलोर की दो टीम गठित कर स्वम भी छापेमारी की गई । औचक छापेमारी में एक टेक्टर ट्रॉली को जिसमें मिटटी भरी हुई थी को जलालपुर से, एक ट्रॅक्टर ट्राली ओर एक जे0सी0बी0 को बेडपुर से, ओर एक ट्रॅक्टर ट्राली को कान्हपुर से पकडा गया। जिसे लाकर ट्रैफिक पुलिस लाइन में सुपुर्द कर सीज किया गया। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की के अनुसार अवैध खनन पर कायेर्वाही / छापेमारी निरंतर जारी रहेगी। टीम में नायब तहसीलदार धनीराम सैनी ओर प्रेम सिंह के साथ राजस्व निरीक्षक आदेश कुमार, ओर राजस्व उप निरीक्षक पंकज राजपूत, साथ रहे।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने राष्ट्रीय ग्रेपलिंग प्रतियोगिता का किया शुभारंभ, बोलीं

उत्तराखण्ड बन रहा है खिलाड़ियों के लिए अवसरों से भरा प्रदेश

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार : आज प्रदेश सरकार की युवा कल्याण एवं खेल मंत्री रेखा आर्या ने हरिद्वार स्थित प्रेमनगर आश्रम पहुँचकर राष्ट्रीय ग्रेपलिंग प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया`

मंत्री रेखा आर्या ने अपने संबोधन में कहा पहली बार इतने बड़े स्तर पर ग्रेपलिंग से जुड़ी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है, जोकि प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा अवसर है और इसके लिए मैं ग्रेपलिंग कमेटी ऑफ इंडिया को विशेष धन्यवाद देती हूं। मंत्री रेखा आर्या ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकारी लगातार खिलाड़ियों के उत्थान और सर्वगीण विकास के लिए कार्य कर रही है, जिसका परिणाम है कि आज खेल को लेकर बड़ा सामाजिक परिवर्तन हुआ है । मंत्री ने कहा पहले लोगों को खेल के क्षेत्र में भविष्य की असुरक्षा महसूस होती थी लेकिन जब से प्रधानमंत्री मोदी द्वार खिलाड़ियों को सम्मानित कर नई पहचान दी गई और राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सीधा संवाद किया जा रहा है इस से प्रोत्साहित हो रहे हैं। मंत्री रेखा आर्या ने कहा इस सामाजिक परिवर्तन का ही नतीजा है कि आज एक खिलाड़ी लोकल से ग्लोबल हो गया है। अब वो युग आया है जहां एक राष्ट्र की पहचान उसके खिलाड़ी के नाम से होती है । आगे जोड़ते हुए मंत्री ने कहा खेल असंभव नहीं संभवता की ओर जाने वाला सुरक्षित मार्ग है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा ग्रेपलिंग ने अपने अस्तित्व में आने के इन 3 वर्षों में काफी तरक़्क़ी की हैं और विशेषकर हमारे राष्ट्रीय टीम ने इसमें अपना झंडा पूरा दमखम से लहराया है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा हम सभी ग्रेपलिंग के खिलाड़ियों को भविष्य की प्रतिस्पर्धा के लिए शुभकामनाएँ देते है और उम्मीद करते है कि निकट भविष्य में राष्ट्रीय खेल , एशियन गेम्स व ओलंपिक जैसे बड़े आयोजनों में भी इसको शामिल किया जाए। मंत्री रेखा आर्या ने ग्रेपलिंग के आयोजन को देवभूमि उत्तराखंड में कराने के लिए ग्रेपलिंग कमेटी ऑफ इंडिया का आभार जताया साथ मंत्री ने कहा आज इस प्रत्योगिता के माध्यम से छोटा भारत देखने को मिला और संपूर्ण भारत से आये बच्चों से संवाद करने का और ग्रैपलिंग के खेल से परिचित होने का अवसर मिला। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है की देवभूमि को अब दुनिया खेल भूमि उत्तराखण्ड के नाम से जानें और हम ग्रेपलिंग कमेटी ऑफ उत्तराखण्ड के पदाधिकारियों के संपर्क में और उत्तराखंड के खिलाड़ियों के सुनहरे भविष्य के लिए खेल विभाग उत्तराखण्ड ग्रेपलिंग के लिये हमेशा संभव मदद और मार्गदर्शन के लिए तत्पर रहेगा । इस कार्यक्रम में खेल मंत्री रेखा आर्या के साथ ग्रेपलिंग कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष दिनेश कपूर, सचिव बिरजू शर्मा, सचिव उत्तराखण्ड ग्रेपलिंग राजेंद्र सिंह रावत, उपाध्यक्ष बीरेन्द्र सिंह राठौड़ समेत ग्रेपलिंग कमेटी ऑफ इंडिया के पदाधिकारी मौजूद रहे।

गंगा के किनारे बने महिला तथा पुरुष रेन बसेरों का औचक निरीक्षण

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार , जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह ने रोड़ीबेलवाला क्षेत्र में माँ गंगा के किनारे बने महिला तथा पुरुष रेन बसेरों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि किसी भी गरीब, असहाय एवं बेसहारा व्यक्ति को किसी भी प्रकार की परेशानी व असुविधा न हो। उन्होंने महिला रेन बसेरे के निरीक्षण के दौरान सहायक नगर आयुक्त को बसेरे की छत की सफाई कराने तथा शौचालय को भी आवश्यकतानुसार देर रात्रि तक खोलने एवं बन्द करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान रेन बसेरे में रुके हुए व्यक्तियों से रजाई, गद्दा, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था व अन्य मूल भूत सुविधाओं की जानकारी ली। सभी आगंतुको ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।डीएम ने निरंतर साफ सफाई करने तथा रजाई बिस्तर को भी साफ रखने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने आगंतुक रजिस्टर चेक करने के दौरान निर्देश दिए कि आगंतुक रजिस्टर में व्यक्ति के आगमन तथा छोड़ने का समय अंकित करने के साथ ही हस्ताक्षर भी अवश्य कराए जाएं। उन्होंने रैन बसेरे में आने वाले व्यक्तियों का रजिस्टर मेंटेन करते हुए उसका अंकन करने व फीडबैक दर्ज करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार प्रियंका रानी, मुख्य वेयक्तिक अधिकारी सुदेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अग्निकांड विवरण फायर स्टेशन मायापुर हरिद्वार

हरिद्वार, फायर स्टेशन मायापुर में सूचना प्राप्त हुई कि शिवालिक नगर में एक बैटरी रिक्शा में आग लगी है। सूचना प्राप्त होते ही फायर स्टेशन मायापुर से फायर यूनिट तत्काल घटनास्थल पहुंची। वहां पहुंचकर देखा ई रिक्शा में आग लगी थी। फायर यूनिट के पहुंचने से पूर्व स्थानीय लोगों द्वारा बालू व रेत डालकर आग को बुझाने का प्रयास किया जा रहा था ,फायर यूनिट ने तुरंत पहुंचकर आग को काबू किया व पूरे रिक्शे को जलने से बचाया। इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई ।

फायर यूनिट का विवरण

LFM खजान सिंह
DVR राहुल शर्मा
FW खुशहाल सिंह
FM मदन लाल
FM वीरेंद्र सिंह
FM संदीप जोशी

बहादराबाद विकासखंड के रानी माजरा गांव मेंकस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में बच्चों को समय पर नहीं मिलता भोजन, विद्यालय में बालिकाओं से बनवाया जा रहा है मीट शिक्षा विभाग के अधिकारी मौन

मिशन नेशनल न्यूज / प्रवीण सैनी

बहादराबाद विकासखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय रानी माजरा में जिम्मेदार अधिकारी मनमर्जी कर रहे हैं। बच्चों को समय पर न तो खाना मिलता है और ना ही नाश्ता। बालिकाओं से खाना बनवाया जा रहा है और बर्तन तक साफ कराए जा रहे हैं। यहां तक की छात्रावास में छात्राओं से मीट तक बनवाया जा रहा है, जिसका एक वीडियो सोशल मिडिया पर वायरल हो रहा है। जब वायरल वीडियो की पड़ताल करने छात्रावास पहुँची और मामले की जानकारी के लिए वार्डन से बात की तो उन्होंने कहा कि कुछ बच्चों का मीट खाने का मन था इस लिए चिकन बाहर से बना कर मंगाया था। लेकिन विडीओ में साफ देखा जा सकता है कि बालिकाओं से ही ममीट साफ करा कर बनवाया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक मीडिया को रानीमाजरा गाँव में स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं से मीट बनवा कर खाने की सूचना प्राप्त हुई थी। छात्राओं द्वारा मीट बनाने का किसी व्यक्ति ने विडीओ बना कर सोशल मिडिया पर वायरल कर दिया था। वीडियो की पुष्टि करने के लिए की टीम छात्रावास पहुंची और छात्रावास वार्डन तनु चौहान से नाम लेकर जानकारी की उन्होंने पहले तो छात्राओं द्वारा ममीट बनवाने से

इनकार कर दिया। जब हमने विडीओ की बात कही तो तनु चौहान ने बताया कि कुछ छात्राओं का चिकन खाने का मन था, इसलिए चिकन बनवा कर बाहर से मंगाया था। जब हमने वार्डन कहा कि चिकन का मीट छात्रावास में ही छात्राओं द्वारा साफ कर बनाया गया है जिसका हमारे पास सबुत है तो उन्होंने सवालों से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि विशेष परिस्थितियों में मेनू परिवर्तित किया जा सकता है। जब हमने मेनू के बारे में जानने की कोशिश की तो वार्डन कार्यालय से उठकर बाहर चली गई और फोन पर किसी से बात करने लगी जैसे ही हम लोग कार्यालय से बाहर निकले तो छात्राओं ने अपना दर्द बताने के लिए हमे घेर लिया। छात्राओं ने कैमरे पर बताया कि भोजन मातायें हम सभी छात्राओं से भोजन बनवाती हैं, हमे समय पर खाना तक नही देती हैं, दिया जाता है। यदि इसका विरोध किया जाता है तो हम सबको मारा जाता है कमरे में बंद कर दिया जाता है। जब बालिकाएं कैमरे पर अपना दर्द बयां कर रही थी तब वार्डन ने उन्हें कई बार रोकने का प्रयास किया लेकिन छात्राएं नहीं रुकी। जब इस संबंध में छात्रावास वार्डन से पूछा तो उन्होंने एक भोजन माता पर आरोप लगाते हुए कहा कि उसकी हमने कुछ अधिकारियों को शिकायत की है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की है। वहीं छात्राओं का आरोप है कि यह सब वार्डन की मौजूदगी में ही किया जाता है। उनके साथ मारपीट की जाती है और काम कराया जाता है बर्तन धुलवाए जाते हैं। छात्राओं ने बताया हम यहां पर पढ़ने के लिए आए हैं कार्य करने के लिए और हमसे यह सब कराया जाता है। इस छात्रावास में 50 बच्चों की सीट हैं।जिनमें से 43 बच्चे मौजूद बताई जा रहे हैं जो सुविधाओं से वंचित है और उनका छात्रावास में शोषण किया जा रहा है।

आपको बता दे की नियम के आधार पर छात्रावास में छात्राओं का फ्री में रहना खाना होता है। छात्रावास में 60 प्रतिशत बच्चे एसटी के और 40 अन्य के होने चाहिए। इसमें उनको भोजन, बाल कटिंग, तेल साबुन, दूध/दही मिलता है। एक सप्ताह में तीन दिन उनको फल दिए जाते हैं। इसके अलावा दो जोड़ी शाला गणवेश, जूते, टॉवल, जुराब और स्वेटर मिलता है। लेकिन हॉस्टल में ज्यादातर नियमों की पालना नहीं किया जा रहा है। जिस वजह से हॉस्टल के बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। की टीम ने कई छात्रों से बातचीत की उन्होंने बताया कि अधिकारी छात्रावास की हालत जानने के लिए आते ही नहीं है।उन्होंनें इस बात की शिकायत अपने परिजनों से भी की है परिजनों ने भी कई बार इन बातों को लेकर छात्रवास के स्टाफ से बात की है लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ है। छात्रावास के स्टाफ पर आरोप लगाते हुए यह भी बताया कि छात्रावास का सारा काम भी उनसे ही करवाया जाता है।

यहां तक कि अगर खाने में छात्रा रोटी भी ज्यादा मांग लेते हैं तो वहां का स्टाफ छात्रों से परिजनों के नंबर मांगकर शिकायत करने की धमकी दे देते हैं। सरकारी सुविधा के नाम पर उन्हें कुछ भी नहीं मिल रहा है। जब इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी भानु प्रताप से बात की तो उन्होंने बताया कि छात्रावास में कुछ बच्चे मांसाहारी होते हैं जिनको कभी-कभी चिकन आदि बनाकर खिलाया जाता है सरकार ने सरकारी स्कूलों में बच्चों को हफ्ते में एक दिन अंडे देने के आदेश भी दिए हुए हैं। रही बात छात्राओं द्वारा विद्यालय में मीट बनवाने की तो यह नियम के विरुद्ध है इसके लिए भोजन माताएं रखी हुई है। इसकी जांच की जाएगी। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी हरिद्वार को फोन लगाया तो उन्होंने मीडिया कर्मियों का फोन तक नहीं उठाया। जब जिम्मेदार अधिकारी ही अपनी ईमानदारी से ड्यूटी नहीं निभाएंगे तो आम जन का क्या होगा विद्यालय में गरीब माता-पिता ने अपने बच्चे शिक्षा के लिए भेजे हुए हैं ना की विद्यालय में खाना बनाने बर्तन साफ करने झाड़ू लगाने आदि कार्यों के लिए इन छात्रावास में छात्राओं का शोषण किया जा रहा है आला अधिकारी सब कुछ जानते हुए चुप्पी सादे हुए हैं।

कम्पनी पर जमीन कब्जाने का आरोप, धरने पर बैठे पीड़ित

मिशन नेशनल न्यूज / शमशाद अहमद

पुहाना में स्थित एक्सा नामक कम्पनी के बाहर एक पीड़ित परिवार अपने बच्चों सहित धरने पर बैठ गया है।

बता दे की एक्सा कम्पनी पिछले लगभग बीस सालो से यहां संचालित होती आ रही है पर पीड़ित परिवार का आरोप है उनके पिता ने अपनी जमीन में से कुछ हिस्सा बेच दिया था पर उसके बाद जों बची हुई जमीन थी कम्पनी ने उस पर भी अपना कब्जा कर लिया है जिसको लेकर आज पीड़ित परिवार धरने पर बैठ गया है उन्होंने बताया की प्रशासनिक अधिकारी भी उनकी नहीं सुन रहे और कम्पनी में लफके पद तैनात एक व्यक्ति पर जान से मरने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है जब इस विषय में लफसे उनका पक्ष रखने के लिए बात की गयी तो उन्होंने कैमरे के सामने कुछ भी बोलने से मना कर दिया अब पीड़ित परिवार ने बताया है की अगर उनकी जमीन नहीं मिलती है तो वह भूक हड़ताल पर बैठ जायेंगे उसके बाद भी कोई उनकी नहीं सुनता है तो वह अपने बच्चों सहित कम्पनी के बाहर आत्मदाह करेंगे।इस मौके पर अमित कुमार रमेश कुमार अशोक कुमार अनिल कुमार राजेश कुमार बबली देवी अशोकाआदि मौजूद रहे

हरिद्वार पुलिस ने अवैध पशु मांस बेचते हुये दो आरोपियों को धर दबोचा

कब्जे से 25 किलो पशु मांस व अवैध पशु कटान के उपकरण किये बरामद

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा गौकशी/पशुओ के कटान पर प्रतिबन्ध लगाये जाने के सम्बन्ध में चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में कोतवाली रानीपुर पुलिस द्वारा एक आरोपी को अवैध पशु मांस सहित पकड़ा गया। रानीपुर पुलिस टीम को सूचना मिली कि सलेमपुर उमर मस्जिद के पास कब्रिस्तान के सामने गोदाम के कमरे में मौजूद 02 व्यक्ति अवैध पशु मांस काटकर बेच रहे है, सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा सलेमपुर स्थित कब्रिस्तान के पास बनाये गये गोदाम में पहुंचकर छापेमारी की गयी, तथा मौके पर आरोपी 1-तौफीक पुत्र महरवान उर्फ नन्थू 2-साजिद पुत्र हमीद को पशु मांस काटते हुये पकड़े गये।

मौके से कुल 25 किलो पशुमांस व अवैध पशु कटान के उपकरणो की बरामदगी की गयी । आरोपी द्वारा सलेमपुर स्थित कब्रिस्तान के पास अवैध गोदाम बनाकर अवैध रूप से पशुओ का कटान कर माँस को बेतरतीब बिखेर कर रखा गया था, जिससे बीमारी फैलने की पूर्ण सम्भावना थी।

इस पर आरोपी तोफीक व साजिद उपरोक्त को पुलिस टीम द्वारा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया ।

नाम पता आरोपी

1-तौफीक पुत्र महरवान उर्फ नन्थू निवासी सलेमपुर थाना रानीपुर हरिद्वार ।

2- साजिद पुत्र हमीद निवासी दादूपुर गोविन्दपुर थाना रानीपुर हरिद्वार ।

बरामदगी

कुल 25 किलो पशुमांस, व अवैध पशु कटान के उपकरण।

पुलिस टीम-

1.प्र0नि0 कमल मोहन भण्डारी,
2.अ0उ0नि0 सुबोध घिल्डियाल,
3.कां0 1114 संजय सिंह,
4.कां0 1068 सुरेन्द्र,

कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोबाल की पुलिस जवानों को यादगार सौगात

जीर्णोद्धार उपरांत नए महिला/पुरुष बैरक, भोजनालय व थानाध्यक्ष कार्यालय का निर्माण कार्य हुआ पूर्ण

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

पथरी, एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल समय-समय पर अपने अधीनस्थों के जीवन स्तर, रहन-सहन, खेल गतिविधि को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास करते रहते हैं। पुलिस लाइन में टॉप लेवल की क्रिकेट पिच व ग्राउंड तैयार करवाना, कई थानों के बैरक एवं शौचालयों का उच्चीकरण आदि। इसी क्रम में इनकी प्रेरणा व प्रयासों से जनपद हरिद्वार के थाना पथरी में महिला/पुरुष बैरक, भोजनालय एवं थानाध्यक्ष कार्यालय के जीर्णोद्धार का कार्य सकुशल सम्पन्न हुआ।

थानाध्यक्ष पथरी रविंद्र कुमार द्वारा बड़े स्तर पर हुए इस जीर्णोद्धार के दौरान छोटी बड़ी हर बात का ध्यान रखते हुए थाना स्तर पर अपने कुशल नेतृत्व में निर्धारित मानकों का ध्यान रखते हुए बेहतरीन क्वालिटी का कार्य करवाया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्री डोबाल द्वारा एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह व सीओ ट्रैफिक नताशा सिंह की उपस्थिति में पूजा अर्चना विधि विधान उपरांत तालियों की गड़गड़ाहट के बीच लाल रिबन काटकर नवीनीकृत भवन का उद्घाटन किया व थाना कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि उनके हित के लिए हर संभव प्रयास लगातार जारी रहेंगे। स्मार्ट बैरक, मैस पाकर थाना पथरी के कर्मचारियों में खुशी की लहर है। शानदार कार्यक्रम उपरांत सभी अधिकारी कर्मचारियों के लिए की गई शानदार भोजन व्यवस्था का सभी के द्वारा लुत्फ उठाया गया।

नशा तस्करों के विरुद्ध हरिद्वार पुलिस की प्रभावी कार्यवाही लगी हाथ बड़ी कामयाबी

ज्वालापुर पुलिस द्वारा 01आरोपी को अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी में में धर दबोचा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

आरोपी के कब्जे से 02 किलो 426 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा अवैध मादक पदार्थ (अवैध शराब/स्मैक/चरस/गांजा/आदि) तस्करों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान को सफल बनाने हेतु प्रभारी निरीक्षक ज्वालापुर को निर्देशित किया गया।

प्रभारी निरीक्षक ज्वालापुर प्रदीप बिष्ट द्वारा उक्त आदेश के क्रम में थाना क्षेत्रांतर्गत अलग-अलग टीमों का गठन किया गया गठित टीमो को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

उक्त आदेश के क्रम मे दिनांक-19/11/2024 दौराने चैकिंग आरोपी अनिल कुमार गुप्ता उर्फ बिल्ली पुत्र गोबरे बनिया निवासी लाल जी वाला कोतवाली नगर हरिद्वार को 2 किलो 426 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजे के साथ रेगुलेटर पुल

नहर पटरी से पकड़ा गया। आरोपी के विरुद्ध कोतवाली ज्वालापुर पर ठउढर एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया।

नाम पता आरोपी-

1-अनिल कुमार गुप्ता उर्फ बिल्ली पुत्र गोबरे बनिया निवासी लाल जी वाला कोतवाली नगर जनपद हरिद्वार

मूल निवासी ग्राम बालपुर करनैलगंज गोंडा उत्तर प्रदेश।

बरामदगी

2किलो 426ग्राम अवैध गांजा

पुलिस टीम

1-प्रभारी चौकी बाजार उप नि0 देवेन्द्र तोमर

2-हे0कां0 हिमेश चंद्र

3-कां0 मनोज डोभाल

वारदात करने की फिराक में घूम रहे संदिग्ध को पुलिस टीम ने चाकू के साथ दबोचा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

लक्सर, शिकायतकर्ता आदित्यवीर द्वारा अपने नलकूप चोरी होने के संबंध में दी गई सूचना पर अभियोग पंजीकृत कर अज्ञात आरोपित की तलाश शुरू की गई।

संदिग्ध की तलाश के दौरान एक युवक अमरीश का नाम प्रकाश में आने पर दिनांक 19.11.2024 को पुलिस टीम द्वारा दौराने चैकिंग अमरीश को रायसी क्षेत्र से एक अदद अवैध चाकू के साथ दबोचा। आरोपी पुनः किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। आरोपी की निशादेही पर चोरी हुयी नलकुप की मोटर को भी बरामद किया गया। विधिक कार्यवाही की जा रही है।

विवरण आरोपित-

अमरीश पुत्र जोत सिह उर्फ सुनील निवासी औंसपुर लक्सर जनपद हरिद्वार

बरामदगी-

1- अवैध चाकू झ 01
2- चुराई गई मोटर झ 01

पुलिस टीम-

1-उ0नि0 कमल कान्त रतड़ी
2-कानि0 अनूप पोखरियाल
3-कानि0 अनिल वर्मा

मा0 न्यायालय द्वारा जारी आदेशो का पालन न करने वालो को विरुद्ध लक्सर पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी

हरिद्वार, हरिद्वार पुलिस ने मा0 न्यायालय के आदेश पर 03 वारन्टी को धर दबोचा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा माननीय न्यायालय से प्राप्त आदेशिकाओं को शतप्रतिशत तामिल करने हेतु निर्देशित किया गया था जिसके अनुपालन में कोतवाली लक्सर द्वारा न्यायालय से जारी आदेशिकाओं की तामिल हेतु पुलिस टीम गठित कर गठित पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र से 03 वारन्टी को मा0 न्यायालय द्वारा जारी आदेश पर पकड़ा गया।

नाम पता आरोपी

1- मंजीत पुत्र राजपाल निवासी दाबकी कला थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार।

2-आरिफ पुत्र यूनुस निवासी सुल्तानपुर थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार।

नाबालिग बालिका के अपहरण संबंधी प्रकरण में हरिद्वार पुलिस को मिली कामयाबी

पुलिस टीम ने बालिका को सकुशल किया बरामद, आरोपी युवक को भी दबोचा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

ज्वालापुर , ज्वालापुर निवासी शिकायतकर्ता ने कोतवाली ज्वालापुर में लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनकी 15 वर्षीय नाबालिग किसी अज्ञात युवक के साथ घर से बिना बताएं कहीं चली गई और वापस नही लौटी। शिकायत पर कोतवाली ज्वालापुर पर मुकदमा अपराध संख्या- 824/2024 धारा 137(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया।

नाबालिग बालिका संबंधी प्रकरण होने के चलते एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा जल्द सकुशल बरामदगी के संबंध में दिए गए निर्देश पर गठित टीमों द्वारा मुखवीर खास को क्षेत्र में

सक्रिय करते हुए डिजिटल साक्ष्य एकत्रित किए गए तथा आसपास व्यक्तियों से पूछताछ की गई।

लगातार प्रयास के क्रम में पुलिस टीम ने दिनांक 19/11/2024 को मुखवीर खास की सूचना पर सुमित नामक युवक को दबोचकर नाबालिक बालिका को सही सलामत बरामद किया गया। मुकदमें में पोक्सो अधिनियम की धारा 87,64 इठर 3क/4(2),5(छ)/6 बढ़ोतरी की गई। विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

विवरण आरोपित-

सुमित कुमार पुत्र अतर सिंह निवासी ग्राम हरचंदपुर थाना लक्सर हरिद्वार उम्र 20 वर्ष

पुलिस टीम-

1- उपनिरीक्षक सोनल रावत
2- हे0का0 धर्मेंद्र कुमार

शादी समारोह में बाईक सवार युवकों ने किशोर पर की फायरिंग- पब्लिक ने एक को मौके से पकड़ा....

मिशन नेशनल न्यूज / शमशाद अहमद

रुड़की। बाईक सवार युवकों ने शादी समारोह में फायरिंग कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवकों में से पांच फरार हो गए जबकि एक को पब्लिक ने पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस युवक से पूछताछ में जुटी है। जानकारी के अनुसार मंगलौर में टांडा रोड पर शादी समारोह हो रहा था। बताया गया है बारात देवबंद से आई थी जिसमें एक किशोर भी बारात में शामिल होने आया था। किशोर ने दैनिक रुड़की से बातचीत के दौरान बताया कि कुछ दिनों पहले देवबंद में उसकी क्षेत्र के कुछ युवकों से क-हासुनी हो गई थी। जिसके बाद मामले में फैसला भी हो गया था। लेकिन आज वह बारात में आया तो दो बाईकों पर 6 लोग सवार होकर उसके पीछे आए और उनके द्वारा उसकी ओर से एक राउंड फायरिंग कर दी। गोली चलते ही वहां अफरा तफरी मच गई लोग अपनी जान बचाने को इधर उधर भागे तो वहीं कुछ लोगों ने बहादुरी दिखाते हुए एक युवक को बाइक से नीचे की ओर खींच लिया जबकि अपने आपको घिरता देख बाकी युवक मौके से फरार हो गए। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पकड़े गए युवक को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ शुरू कर दी। वहीं इस संबंध में मंगलौर कोतवाली प्रभारी शान्ति कुमार का कहना है कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि गोली चलाने वाले लोग कितने थे एक युवक पकड़ा है उससे पूछताछ जारी

कम्पनी पर जमीन कब्जाने का आरोप, धरने पर बैठे पीड़ित

मिशन नेशनल न्यूज / शमशाद अहमद

पुहाना में स्थित एक्सा नामक कम्पनी के बाहर एक पीड़ित परिवार अपने बच्चों सहित धरने पर बैठ गया है। बता दे की एक्सा कम्पनी पिछले लगभग बीस सालो से यहां संचालित होती आ रही है पर पीड़ित परिवार का आरोप है उनके पिता ने अपनी जमीन में से कुछ हिस्सा बेच दिया था पर उसके बाद जों बची हुई जमीन थी कम्पनी ने उस पर भी अपना कब्जा कर लिया है जिसको लेकर आज पीड़ित परिवार धरने पर बैठ गया है उन्होंने बताया की प्रशासनिक अधिकारी भी उनकी नहीं सुन रहे और कम्पनी में लफके पद तैनात एक व्यक्ति पर जान से मरने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है जब इस विषय में लफसे उनका पक्ष रखने के लिए बात की गयी तो उन्होंने कैमरे के सामने कुछ भी बोलने से मना कर दिया अब पीड़ित परिवार ने बताया है की अगर उनकी जमीन नहीं मिलती है तो वह भूक हड़ताल पर बैठ जायेंगे उसके बाद भी कोई उनकी नहीं सुनता है तो वह अपने बच्चों सहित कम्पनी के बाहर आत्मदाह करेंगे इस मौके पर अमित कुमार रमेश कुमार अशोक कुमार अनिल कुमार राजेश कुमार बबली देवी अशोक-ाआदि मौजूद रहे

चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस को मिली कामयाबी, 1600 नशीले इंजेक्शन के साथ 1 कार बरामद; तस्कर गिरफ्तार

ऊधम सिंह नगर : उत्तराखंड के जनपद उधम सिंह नगर के किच्छा पुलिस तथा एस टी एफ संयुक्त टीम द्वारा नशीले पदार्थों के तस्करों पर सर्जिकल स्ट्राइक कर एक नशा तस्कर के पास से 1600 इंजेक्शन के साथ एक कार भी बरामद की है। जिससे वह नशे के कारोबार में प्रयोग करता था। बता दें कि आरोपी बरेली से नशे की खेप ला रहा था।

एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि किच्छा कोतवाली पुलिस और एस टी एफ ने किच्छा के पंतपुरा तिराहा के पास घेराबंदी करते हुए यूपी की ओर से एक आल्टो कार से नशे के 1600 इंजेक्शन बरामद किए है। बताया गया कि आरोपी बरेली से नशे की खेप ला रहा था।

अल्मोड़ा के राजकीय अस्पताल में संयुक्त मजिस्ट्रेट ने किया औचक निरीक्षण, CMS को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

अल्मोड़ा: उत्तराखंड के अल्मोड़ा रानीखेत राजकीय अस्पताल में संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल आनन्द ने औचक निरीक्षण किया। संयुक्त मजिस्ट्रेट के अचानक अस्पताल में पहुंचते ही संचालकों सहित अन्य कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। इस दौरान संयुक्त मजिस्ट्रेट ने अग्निशमन अधिकारियों के साथ अग्निशमन यंत्रों को जांचा परखा। वहीं, संयुक्त मजिस्ट्रेट ने अस्पताल में अव्यवस्थाओं पर नाराजगी भी जताई। इसी के साथ ही मजिस्ट्रेट ने अस्पताल के सीएमएस (उटर) को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए है।

संयुक्त मजिस्ट्रेट अस्पताल पहुंचते ही सीएमएस डॉ0 संदीप दीक्षित के रूम में गए। लेकिन सीएमएस मौके पर नहीं मिले। इसके चलते उन्होंने उपस्थिति पंजिका चेक की पंजिका में गड़बड़ी मिलने पर सीएम्एस को बुलाया और जानकारी ली। वहीं, उन्होंने अग्निशमन यंत्रों की जांच की और अग्निशमन के अधिकारियों से उपकरणों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जिस पर अग्निशमन अधिकारी का कहना था कि एक माह पहले डीसीपी स्टिंग यूजर को बदलने के लिए कहा गया था। लेकिन ये अभी तक नहीं बदले गए हैं। इसी के साथ ही संयुक्त मजिस्ट्रेट ने अस्पताल में सफाई व्यवस्था और बायो मेडिकल वेस्ट को लेकर नाराजगी जताई है। और सीएमएस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने नर्सिंग स्टाफ का ड्यूटी चार्ट रूम के बाहर लगाने को कहा। जिससे मरीजों को परेशानी न हो। इस दौरान मजिस्ट्रेट ने आयुष्मान केंद्र की भी जानकारी ली और दवा का स्टोर भी चेक किया।

संयुक्त मजिस्ट्रेट ने कहा कि झांसी में जो अग्निकांड हुआ है। इसी क्रम में अस्पताल में अग्निशमन उपकरणों की व्यवस्था को लेकर अस्पताल का निरीक्षण किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ व्यवस्थाएं ठीक मिली ,लेकिन अस्पताल में सफाई व्यवस्था सहित कई खामियां भी मिली है। जिसे लेकर सीएमएस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस ने असलाह बनाने वाली फैक्ट्री का किया भंडाफोड़

अवैध हथियारों के साथ जिंदा कारतूस बरामद; आरोपी गिरफ्तार

उधम सिंह नगर : उत्तराखंड के जनपद उधम सिंह नगर के काशीपुर में संचालित एक बड़ी अवैध असलाह बनाने वाली फैक्ट्री का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। इसके चलते पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध असलाह और असलाह बनाने के उपकरण के साथ एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है।

उधम सिंह नगर : उत्तराखंड के जनपद उधम सिंह नगर के काशीपुर में संचालित एक बड़ी अवैध असलाह बनाने वाली फैक्ट्री का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। इसके चलते पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध असलाह और असलाह बनाने के उपकरण के साथ एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है।

उधम सिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्र ने बताया कि लंबे समय से गदरपुर थाना क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित असलाह फैक्ट्री में अवैध असलाह बनाया जा रहा था। वहीं, असलाह तैयार करने के बाद उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में सप्लाई किया जा रहा था। साथ ही अवैध असलाह को ऊंचे दामों में बेचा जा रहा था। इस मामले के बारे में पुलिस के आला अधिकारियों को सूचना मिलते ही उन्होंने क्षेत्राधिकारी बाजपुर के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया। जहां गदरपुर थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस ने उक्त अवैध असलाह फैक्ट्री में छापामार कार्रवाई कर फैक्ट्री संचालक थाना केलाखेड़ा निवासी शातिर बदमाश इंद्र सिंह पुत्र दर्शन सिंह को गिरफ्तार किया है। इसी के साथ ही फैक्ट्री में बड़ी तादाद में अवैध असलाह जिसमें 04 देसी तमंचे 312 बोर के, 03 तमंचे 12 बोर के, बंदूक, पोनिया बंदूक समेत जिंदा कारतूस और हथियार बनाने के उपकरण भी बरामद किए हैं।

वहीं, मामले का खुलासा करते हुए जिले के पुलिस कप्तान मणिकांत मिश्र ने कहा कि पुलिस ने इस बड़ी अवैध असलाह फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर बदमाशों की कमर तोड़ दी है। बताया गया कि मामले में लिप्त फैक्ट्री संचालक को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने के साथ-साथ फैक्ट्री संचालक के सहयोगी आ-रोपियों की तलाश की जा रही है। इसके अतिरिक्त कहा कि संबंधित आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अब रात 12 बजे तक खुले रहेंगे ट्रैफिक सिग्नल, दून पुलिस ने समय में किया बदलाव

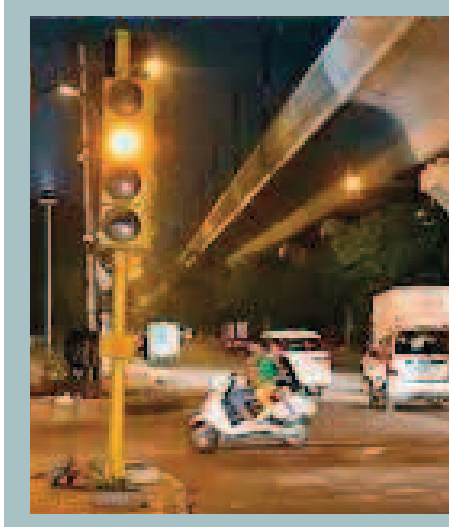

देहरादून: उत्तराखंड में देहरादून के ओएनजीसी चौक में हुए भीषण सड़क हादसे के बाद दून पुलिस ने ट्रैफिक सिग्नल के समय में बदलाव किया है। इसके तहत अब रात 12 बजे तक ट्रैफिक सिग्नल खुले रहेंगे।

एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने जानकारी दी है कि दून में अब रात 12 बजे तक ट्रैफिक सिग्नल खुले रहेंगे। इसके साथ ही हर चौक पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभी तक ट्रैफिक लाइट 10 बजे तक खुली रहती थी। वहीं, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा को देखते हुए इसे दो घंटे के लिए बढ़ा दिया गया है। प्रत्येक चौक पर स्पीड ब्रेकर बनने से दुर्घटनाओं की आशंका कम की जा सकती है। वहीं,एसएसपी ने आगे कहा कि रात के समय निगरानी भी की जाएगी। बताया गया कि कैमरों के माध्यम से देखा जाएगा कि लोगों में सिग्नल पर रुकने की प्रवृत्ति है या फिर रात के समय ऐसे ही निकल जाएंगे। इसके अतिरिक्त रात के समय नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान भी किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना -ग्रामीण के अंतर्गत लाभार्थी सम्मान कार्यक्रम का आयोजन, DM ने 70 लाभार्थियों को बांटे प्रमाण पत्र

ऊधम सिंह नगर: प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आवास पूर्ण किए जाने पर जिलाधिकारी उदयराज सिंह की अध्यक्षता में लाभार्थी सम्मान कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी द्वारा 70 लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री के द्वारा पीएम आवास योजना ग्रामीण की शुरूआत की गई थी। उन्होंने कहा कि स-रकार की मंशा है कि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को मुख्य धारा से जोड़ा जाए व उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जाएं। इसी क्रम में आवास योजना के साथ-साथ शौचालय, पेयजल, बिजली, ग्राम सड़क, मनरेगा तथा स्वास्थ्य बीमा योजना जैसी विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 2016 से अभी तक 11013 स्वीकृत आवासों के सापेक्ष 10683 (97 प्रतिशत) आवास पूर्ण किए गए हैं। जबकि 330 निमार्णाधीन हैं। उन्होंने कहा कि 400 से अधिक पात्र व भूमिहीन व्यक्तियों को निःशुल्क भूमि प्रदान करते हुए प्रधानमंत्री आवास दिए गए। डीएम ने मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार व परियोजना निदेशक हिमांशु जोशी के सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार व जिला प्रशासन पात्र व्यक्तियों को लाभ पहुंचाते हुए विकास के नए मानक गढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भी आवास पूर्ण होने पर प्रत्येक परिवार को बर्तन व अन्य घरेलू वस्तुओं के क्रय हेतु रू. 6 हजार धनराशि प्रदान की जा रही है। इस दौरान विश्व शौचालय दिवस पर ऐसी 40 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को जिन्होंने शौचालय की स्वच्छता के लिए सराहनीय कार्य किया है। उन्हें स्वच्छता व स्वस्थ समाज को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित करते हुए जलशक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र भी जिलाधिकारी द्वारा वितरित किए गए।

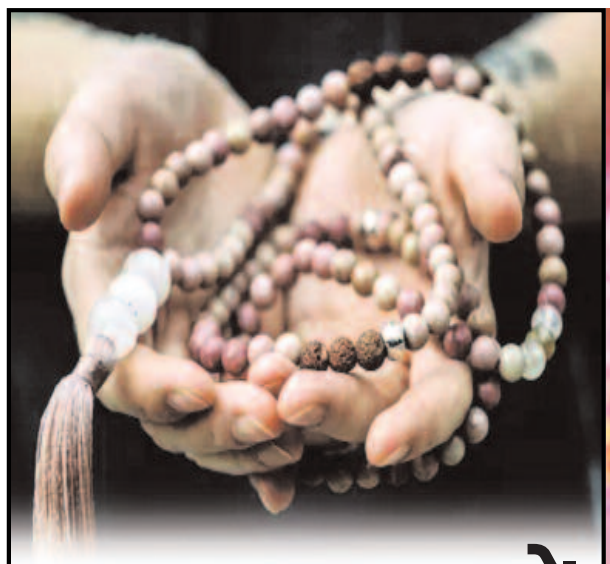

मंत्र काम क्यों नहीं करते हैं

आपने अक्सर सत्संग में सुना होगा, रामायण, महाभारत या वेदों आदि में पढ़ा होगा कि प्राचीन काल में तपस्वी लोग मंत्रों की शक्ति से जो चाहे हासिल कर लेते थे। वे जिस चीज का आह्वान करते थे, उसे तुरंत पा लेते थे। आज भी आप जब शारीरिक या आर्थिक रूप से परेशान होते हैं, और किसी ज्योतिषी के पास जाते हैं, तो वह क्या करता है। जन्म पत्रिका देखने के बाद पीड़ित ग्रह की शांति के लिए कुछ उपाय बता देता है और कुछ मंत्रों का जाप करने के लिए कहता है। ऐसे में कई बार लोग सवाल करते हैं कि उन्होंने मंत्रों का जाप तो किया, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली। आखिर ऐसा क्यों होता है कि जो मंत्र प्राचीन काल में सिद्ध थे, उनका प्रभाव आज कम दिखता है या नहीं दिखता है। मंत्रों की शक्ति प्रभावी क्यों नहीं होती है। आज हम आपको इसका सबसे बड़ा राज बताने जा रहे हैं कि मंत्रों की शक्ति आखिर काम कैसे करती है। दरअसल, आज लोग मंत्रों को जाप करते समय सिर्फ मुंह से बोलते रहते हैं। उसमें उनका मन और आत्मा नहीं शामिल होती है। मंत्र पढ़ते या जपते समय आधा ध्यान घर के काम में लगा होता है और कई बार तो लोग मंत्रों का जाप करते हुए घर की साफ सफाई भी कर देते हैं, गाड़ी भी चला लेते हैं। उन्हें लगता है कि पंडित ने जपने के लिए कहा था और यह किसी काम को करते हुए भी तो किया जा सकता है।

मगर, यह गलत तरीका है। मान लीजिए आपके घर में अंधेरा है और आप जीरो वॉट का बल्ब लगाते हैं, तो कितनी रोशनी मिलेगी? फिर आप कहेंगे बल्ब तो जला दिया है, लेकिन रोशनी तो आ ही नहीं रही है। यही तो आप मंत्रों को जपते हुए कर रहे हैं। जीरो वॉट के बल्ब की तरह सिर्फ मुंह से मंत्र का उच्चारण करते जा रहे हैं। खुद ही सोचिए क्या वह फलीभूत होंगे। दूसरा तरीका है, मन से जाप करने का। एक जगह ध्यान लगाकर बैठ जाएं। आपको विचलित करने वाली कोई चीज मोबाइल, किसी तरह का शोर नहीं हो। मंत्र को पूरे मनोयोग से ध्यान केंद्रित करते हुए जपें। जब मन की शक्ति शामिल होगी, तो यह 10 वाट के बल्ब की तरह रोशनी देगी। आपको इसका फायदा होता दिखेगा।

तीसरा तरीका है आत्मा से मंत्रों का जप करना। यह 100 वॉट का बल्ब है, जो पूरे कमरे को रोशनी से भर देगा। क्योंकि इसमें आपका शरीर यानी मुंह से मंत्रों का उच्चारण हो रहा होगा, मन यानी ध्यान में भी आपके मंत्र होंगे और आत्मा यानी आपके शरीर के सातों चक्र, रोम-रोम उसका उच्चारण कर रहा होगा, जैसे प्राचीन काल में लोग करते थे। अब बताइए 100 वॉट का बल्ब जलेगा, तो क्या मंत्रों की शक्ति आपके जीवन के अंधकार को दूर नहीं कर देगी।

मंत्र तो वही थे, वही रहेंगे, लेकिन उन्हें जपने और सिद्ध करने में आप कितनी ऊर्जा लगाते हैं। इससे तय होता है कि आपको उसका फायदा कितना मिल रहा है। पहले तरीके से मंत्र जपने से तो बेहतर है कि आप न ही करें क्योंकि इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा। यह बिल्कुल टेप रिकॉर्डर की तरह है, जिसमें आपके मन ने मंत्र बोलने की फीडिंग कर ली है और जैसे आप बाइक या कार चलाते हुए ध्यान नहीं देते हैं और कार चलती रहती है, वैसे ही मंत्रों की शक्ति को बढ़ाते नहीं है। दिमाग की प्रोग्रामिक के चलते मंत्र मुंह से निकलते रहते हैं।

इस कुंड के सामने ताली बजाने पर निकलता है पानी

आपने बहुत से जल कुंड के रहस्यों के बारे में सुना होगा। किसी कुंड के जल से रोग ठीक हो जाते हैं, तो किसी कुंड का जल भविष्य में होने वाली आपदाओं का संकेत देता है। भारत में ऐसे बहुत सारे जल कुंड हैं, जिनके रहस्य आज भी अनसुलझे हैं। ऐसा ही एक रहस्मय कुंड झारखंड के बोकारो जिले में स्थित है। इस कुंड को दलाही कुंड के नाम से जाना जाता है।इसकी सबसे खास बात ये है कि अगर आप इस कुंड के सामने आप ताली बजाएंगे तो पानी अपने आप ही निकल आएगा। इस कुंड में पानी इतनी तेजी से निकलता है कि जिसे देखकर लगता है कि जैसे पानी उबल रहा हो। इसकी एक और खासियत है यहां सर्दी में गर्म और गर्मी में ठंडा पानी निकलता है। बोकारो से 27 किलोमीटर दूर इस अनोखे कुंड में नहाने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। इस कुंड पर कई वैज्ञानिकों ने शोध किया कि आखिर यहां पानी आता कहां से है, मगर उन्हें कोई सफलता नहीं मिली।

पूरी होती है मन्नत

लोगों का मानना है कि कुंड के सामने जो भी मन्नत मांगी जाती है, वह पूरी होती है। इसमें एक बार नहा लेने से कभी भी कोई भी त्वचा से संबंधित रोग नहीं होता है। इस कुंड से निकलने वाला पानी जमुई नामक नाले से होता हुआ गर्गा नदी में जाता है। ये कुंड कंक्रीट की दीवारों से घिरा हुआ है। इस जलाशय का पानी एकदम साफ है और ये औषधीय गुणों से भरा हुआ है।

संक्रांति में लगता है मेला

वर्ष 1984 से यहां हर साल मकर संक्रांति पर मेला लगता है। कुंड के निकट दलाही गोसाई का देव स्थान है। यहां हर रविवार को श्रद्धालु आते हैं।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने का करें ये उपाय

आज के अर्थ युग में पैसा हर किसी की जरूरत है। हालांकि, इस भौतिकतावादी समाज में इंसान हर सुख और वैभव की चीज को खरीदना चाहता है, जिसके लिए वह ऋण लेता है। कई बार कुछ मजबूरियों के चलते भी लोगों को ऋण लेना पड़ता है।

यदि ऋण लेने के बाद आप उसे चुका नहीं पा रहे हैं, तो एक आसान उपाय इसमें आपकी मदद कर सकता है। इस उपाय को करने से आपके पास धन के आने के रास्ते खुल जाएंगे और आप आसानी से अपना ऋण चुका सकेंगे। शुक्रवार की रात्रि में ग्यारह बजे के बाद एकाग्रता से बैठकर, नेत्र बंद करके ऐसा ध्यान करें कि आपके सामने महालक्ष्मी कमलासन पर विराजमान हो और आप उनके ऊपर कमल पुष्प चढ़ा रहे हैं। ऐसे 108 मानसिक कमल पुष्प अर्पित करें। ऐसा करने से लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। यह उपाय हर शुक्रवार को करें। ऐसा करने से अवश्य ही आपका ऋण जल्दी उतर जाएगा।

चंचला हैं लक्ष्मी

यह तो सभी जानते हैं कि लक्ष्मी चंचला हैं। वह किसी भी स्थान पर ज्यादा देर तक नहीं टिकती हैं। लक्ष्मीजी हमेशा विष्णु भगवान के साथ रहती हैं। इसलिए यदि इस उपाय के साथ ही विष्णु सहस्रनाम या गोपाल सहस्रनाम का पाठ करें, तो घर में विष्णु भगवान का वास और कृपा भी होती है। यदि घर में विष्णु भगवान का वास हो गया, तो लक्ष्मी जी स्वत: वहां बनी रहेंगी।

क्या है चंदन का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में चंदन की लकड़ी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। इस लकड़ी को पत्थर पर पानी के साथ घिसकर इसका तिलक बना माथे पर लगाना हिंदू धर्म में बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि चंदन इतना पवित्र होता है कि चंदन की बट्टी और सिल्ली पूजा स्थल पर ही रहनी चाहिए। चंदन एक खास तरह की सुगंधित लकड़ी होती है, इसकी सुगंध बेमिसाल होती है। जैसे-जैसे इसका पौधा बढ़ता है, वैसे-वैसे इसके तने और जड़ों में सुगंधित तेल का अंश बढ़ने लगता है।

हिंदू धर्म में चंदन को अत्यंत पवित्र माना जाता है। इसलिए पूजा के हर कार्य में चंदन की लकड़ी, चंदन का लेप और चंदन के इत्र आदि का प्रयोग किया जाता है। शिवलिंग का अभिषेक भी चंदन से करने की परंपरा प्रचलित है। श्री हरि और उनके अवतारों के लिए सफेद चंदन का लेपन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि देवी की उपासना में लाल चंदन ज्यादा प्रयोग होता है। बौद्ध धर्म में चंदन के प्रयोग से ध्यान करने की परंपरा प्रचलित है।

ज्योतिष में ग्रहों की समस्या के समाधान के लिए भी चंदन का प्रयोग किया जाता है। रोज घर में पूजा के समय चंदन की सुगंध वाली धूप बत्ती जलाएं। चंदन का एक छोटा सा टुकड़ा लेकर इसे नीले कपड़े में रखकर लाकेट की तरह बना लें। शनिवार की शाम को इसे लाल धागे में गले में धारण कर लें।

महाभारत युद्ध में इन देव और दानवों ने लिया था भाग

धरती पर समय-समय पर देव और दानवों ने जन्म लिया है। असूरों ने धरती के कष्टों को बढ़ाया है तो देवों ने धरती के कष्टों का हरण किया है। देवों ने अक्सर मानव जाति के उत्थान के लिए मानव रूप में धरती पर अवतरण किया तो कभी स्वर्गलोक में श्राप की वजह से उनको धरती पर आना पड़ा। महाभारत मे ऐसे अनेक योद्धा हुए जो देव और दानव थे, लेकिन धरती पर मानव रूप में आए और किसी कार्य विशेष के पूरा होने या श्राप से मुक्त होते ही धरती से प्रस्थान कर गए। हम आपको बताते हैं महाभारत के वीरों और उनके अवतरण के बारे में। पहले बात दानवों की करते हैं। दानवराज विप्रचिति ने जरासंध और हिरण्यकशिपु ने शिशुपाल के रूप में जन्म लिया था। शिबि दैत्य ने द्रुम राजा के रूप मे और वाष्कल ने भगदत्त के रूप में जन्म लिया था। दैत्य कालनेमी ने कंस के रूप में जन्म लिया था। देव, मुनि, ऋषि आदि अनेक महापुरूषों ने महाभारत काल में धरती पर अवतरण लिया था। इसमें भरद्वाज मुनि के यहां बृहस्पति के अंश के रूप में द्रोणाचार्य ने जन्म लिया था। वह श्रेष्ठ धनुर्धर, उत्तम शास्त्रवेत्ता और तपस्वी थे। और द्रोणाचार्य के यहां पर महादेव, यम, काल और क्रोध के सम्मिलित अंश भयानक अश्वत्थामा ने जन्म लिया था। महर्षि वशिष्ठ के श्राप से और इन्द्र की आज्ञा से आठों वसु महाराज शांन्तनु से गंगा के गर्भ से उत्पन्न हुए थे। इनमें सबसे छोटे भीष्म थे, जो कौरवों के रक्षक और श्रेष्ठ वक्ता थे।

रुद्र के एक गण ने कृपाचार्य के रूप में जन्म लिया था। मरुदगम के अंश से सात्यकि, द्रुपद, कृतवर्मा और विराट का जन्म हुआ था। अरिष्टा का पुत्र हंस, जो गंधर्वराज था ने धृतराष्ट्र के रूप में जन्म लिया था और हंस के छोटे भाई पाण्डु के रूप में अवतरित हुए थे। सूर्य के अंश धर्म के रूप में विदूर का अवतरण हुआ तो कलयुग के रूप में दुर्योधन का जन्म हुआ, जो कुल के नाश की वजह बना। पुलतस्य वंश के राक्षसों ने दुर्योधन के सौ भाइयों के रूप में जन्म लिया, लेकिन धृतराष्ट्र का वह पुत्र जिसका नाम युयुत्सु था, उसका जन्म एव वैश्या के गर्भ से हुआ था इससे वह इन सभी से अलग स्वभाव का और धर्मप्रेमी था।

योगमाया है श्रीकृष्ण की मुरली

भारतीय संस्कृति के महानायक श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व बहुरंगी हैं। ज्ञानेश्वरी के लाड़ले श्रीकृष्ण, गीता के तत्ववेत्ता श्रीकृष्ण, गोकुल के नटखट कृष्ण, राधा-मीरा और आम भक्तों के भक्त वत्सल कृष्ण, राजनीतिज्ञ द्वारकाधीश कृष्ण, योगेश्वर कृष्ण ऐसे न जाने उनके कितने रूप हैं लेकिन सबसे लोकप्रिय है मुरलीधर कृष्ण। मुरली के बिना श्रीकृष्ण की कल्पना संभव नहीं। उनकी बांसुरी में हमें जीवन के अनेक अर्थ मिलते हैं। बाहरी शोरगुल से शांत अंतरात्मा की आवाज सुनने का माध्यम है 'ध्यान' और कृष्ण की मुरली के स्वर गोपियों को ध्यान में ले जाते थे अर्थात आत्मा से जोड़ते थे। गहराई से विचार करें तो गोपियां यानी हमारी कामेन्द्रियां। जो मोह-माया में उलझी रहती, ध्यान साधना से ही वे प्रभु का साक्षात्कार कर सकती हैं।

श्रीकृष्ण की यह मुरली कोई सामान्य नहीं वरन योगमाया है। मुरली में कुल नौ द्वार (छेद) होते हैं उनमें से सात द्वारों में सात सुर समाए हैं। श्रीकृष्ण अपने नाजुक होठों से सारे विश्व पर मीठी फूंक डालते हैं और इन्हीं सप्त स्वरों में सारा आयुर्वेद भी है। आयुर्वेद शरीर के कफ, वात और पित्त का इलाज करता है। इन सात स्वरों में उनकी योजना समाई है। सा, रे, ग -कफ विभाग, म, प, ध - पित्त विभाग ध, नि, सा - वात विभाग

हर स्वर के हैं देवता

समयानुसार प्रत्येक का राग निश्चित है। उस रोग के मुताबिक वह राग गाया जाता है। प्रत्येक स्वर के देवता भी बताए गए हैं :- षड्ज - सा - अग्नि, ऋषभ - रे - यम, गांधार - ग - चंद्र, मध्यम - म - लक्ष्मी, पंचम - प - गणनाथ सूर्य, धैवत - ध - नारद गणेश, निषाद - नि - लाल सूर्य, ऐसे ये सात स्वर और बाइस श्रुतियों का संगम श्रीकृष्ण की मुरली में सुनाई देता है।

कृष्ण की उंगलियों पर नाचते हैं ग्रह

मानव शरीर के नौ द्वार हैं - दो आंखें, दो कान, दो नथुने, एक मुंह, एक गुदा, एक जननेंद्री। नौ द्वारों में नवनाथों को बांट दिया है। इसी शरीर में नवग्रहों का वास भी है। भौहों में सूर्य, बिंदु में चन्द्र, आंखों में मंगल, हृदय में बुध और गुरु स्थान में विष्णु। पेट में शुक्र और नाभि में शनि तो गुदा में राहु और पैरों में केतू। ये सारे ग्रह श्रीकृष्ण के हाथों की उंगलियों की ताल पर नाचते हैं। सम्र सुरों में शरीर के सात चक्र खिलते हैं। इन्हीं स्वरों के सामरथ्य पर श्रीकृष्ण भक्त समाधि लगा सकते हैं। नौ द्वारों वाली मुरली के नाद शरीर की पंच ज्ञानेन्द्रियों, मन, बुद्धि अहंकार और चित्त इन नौ पलों पर इन स्वरों का असर होता है। प्रकारांतर से कृष्ण की मुरली हमें बताती है कि इंद्रियों पर पकड़ रखकर हम संसार को जीत सकते हैं।

अखिलेश के बयान पर भाजपा का पलटवार, भूपेंद्र चौधरी बोले- उपचुनाव को प्रभावित करना चाहती है सपा

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि विधानसभा उपचुनाव में पुलिस प्रशासन सपा समर्थकों को वोट देने से रोक रहा है इसे लेकर राजधानी लखनऊ में अखिलेश यादव ने प्रेस वार्ता की। अखिलेश के आरोप को बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने...

लखनऊः समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि विधानसभा उपचुनाव में पुलिस प्रशासन सपा समर्थकों को वोट देने से रोक रहा है इसे लेकर राजधानी लखनऊ में अखिलेश यादव ने प्रेस वार्ता की। अखिलेश के आरोप को बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने निराधार बताया है। उन्होंने ने भी इसे लेकर प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस का जो आरोप लगाए हैं वह उनकी हताशा है। समाजवादी पार्टी ने अपने माफिया और गुंडो को आगे कर दिया है। समाजवादी पार्टी के लोग उपचुनाव को रक्त रंजित करने का पूरा प्रयास कर रहे है। पूरा उत्तर प्रदेश लाल टोपी वालों का कारनामा देख रहा है।

मैनपुरी में लाल टोपी वालों ने बेटी की हत्या की

मैनपुरी में समाजवादी पार्टी के गुंडो ने एक बच्ची की जान ले ली। बच्ची की मां ने भारतीय जनता पार्टी का पक्ष लेकर बयान दिया है। सपा अध्यक्ष में सवाल पूछने के बाद जो जवाब दिया वह बेहद खराब था। मैनपुरी में लाल टोपी वालों ने जो बेटी की हत्या की वह बहुत ही गलत है। उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने लोगों को बाहर से बुलाकर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की। उपचुनाव में बुर्का पहनकर महिलाओं ने फर्जी वोटिंग कर रहे हैं। अखिलेश यादव और उनके गुंडे फिर से आतंक का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। फर्जी वोटिंग करना समाजवादी पार्टी की पहचान है। समाजवादी पार्टी खुलेआम निर्वाचन अधिकारी नौकरी से हटवाने की धमकी दे रही है। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार और निर्वाचन आयोग निष्पक्ष चुनाव करा रहा है। मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में चुनिंदा पुलिसर्मी को हुई तैनाती अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में चुनिंदा पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गयी है और उन अधिकारियों की सूची उनके पास है। भाजपा की सरकार जाने के बाद ऐसे पुलिस अधिकारियों को देखा जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन व पुलिस के बेईमान अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे। उनके वीडियो साक्ष्य उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई का आधार बनेंगे। उन्होने कहा कि अगर निर्वाचन आयोग का कोई जीता-जागता अस्तित्व है तो वो जीवंत होकर, प्रशासन के द्वारा वोटिंग को हतोत्साहित करने के लिए तुरंत सुनिश्चित करे।

आईडी पुलिस चेक न करे पुलिसः अखिलेश

सपा अध्यक्ष ने कहा कि लोगों की आईडी पुलिस चेक न करे। ?रास्ते बंद न किये जाएं। ?वोटर्स के आईडी जब्त न किये जाएं। ?असली आईडी को नकली आईडी बताकर जेल में डालने की धमकी न दी जाए। मतदान की गति घटायी न जाए। ?समय बर्बाद न किया जाए, जरूरत पड़ने पर वोटिंग का टाइम बढ़ाया जाए। प्रशासन सत्ता का प्रतिनिधि न बने।? चुनावी गड़बड़ी की सभी वीडियो रिकार्डिंग का रीयल टाइम संज्ञान लेकर तत्काल बेईमान अधिकारी हटाए जाएं। उन्होने कहा कि जो भी पुलिस अधिकारी वोटर कार्ड और आधार आईडी चेक कर रहे हैं, उन्हें वीडियो के आधार पर तुरंत निलंबित किया जाए। पुलिस को आधार आईडी कार्ड या पहचान पत्र जांचने का कोई अधिकार नहीं है। सपा की शिकायत के बाद चुनाव आयोग ने 7 पुलिसकर्मियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए सस्पेंड कर दिया है।

यूपी चुनावः सपा की शिकायत पर निर्वाचन आयोग ने की बड़ी कार्रवाई, 7 पुलिसकर्मी निलंबित

UP Election:: निर्वाचन आयोग ने बुधवार को उत्तर प्रदेश उपचुनाव में मतदाताओं की जांच करने और उन्हें मतदान करने से रोकने संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए उसके दिशा-निदेर्शों का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आदेश दिया...

UP Election: निर्वाचन आयोग ने बुधवार को उत्तर प्रदेश उपचुनाव में मतदाताओं की जांच करने और उन्हें मतदान करने से रोकने संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए उसके दिशा-निदेर्शों का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आदेश दिया। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा निर्वाचन आयोग से मतदाता पहचान पत्रों और आधार कार्ड की जांच करने वाले उन सभी पुलिस अधिकारियों को वीडियो साक्ष्य के आधार पर निलंबित करने के अनुरोध के बाद आयोग की यह टिप्पणी सामने आई है। जिसके बाद कार्रवाई करते हुए सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

निर्वाचन अधिकारी ने शिकायतों की पुष्टि कर की कार्रवाई

आयोग के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने शिकायतों की पुष्टि के बाद पुलिसकर्मियों को उनके आचरण के लिए निलंबित कर दिया है। उपचुनाव के दौरान कुछ समुदायों को मतदान करने से रोके जाने के संबंध में सपा द्वारा सोशल मीडिया पर की गई शिकायतों का संज्ञान लेते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने उत्तर प्रदेश

के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचन अधिकारियों को निष्पक्ष एवं सुचारू मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

'किसी भी प्रकार का पक्षपातपूर्ण रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'

अधिकारियों को कहा गया कि वे सभी शिकायतों का तत्काल संज्ञान लें और त्वरित कार्रवाई करें तथा शिकायतकर्ता को सोशल मीडिया के माध्यम से भी टैग करके सूचित करें। उन्हें चेतावनी दी गई कि किसी भी पात्र मतदाता को मतदान करने से नहीं रोका जाना चाहिए तथा किसी भी प्रकार का पक्षपातपूर्ण रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि निर्वाचन अधिकारियों को कहा गया है कि शिकायत मिलने पर अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान जारी है।

हाथरस : 145 बंदरों की मौत से हड़कंप, अंतिम संस्कार भी नहीं हुआ नसीब, पाप का ज़िम्मेदार कौन

यूपी के हाथरस जिले से 145 बंदरों की मौत के मामले ने सभी को चौंका दिया है । इस मामले के सामने आने के बाद से पूरे जिले में हड़कंप मचा हुआ है । दरअसल, सभी 145 बंदरों ने गलती से जहर खा लिया और सबकी मौत हो गई। यह हादसा एफसीआई के गोदाम में हुआ है । मामले...

हाथरसः यूपी के हाथरस जिले से 145 बंदरों की मौत के मामले ने सभी को चौंका दिया है । इस मामले के सामने आने के बाद से पूरे जिले में हड़कंप मचा हुआ है । दरअसल, सभी 145 बंदरों ने गलती से जहर खा लिया और सबकी मौत हो गई। यह हादसा एफसीआई के गोदाम में हुआ है । मामले में प्रशासन ने जांच के आदेश दे दिए हैं ।

गेहूं में मिलने वाली दवा खाकर मौत!

यह पूरा मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के कलवारी रोड स्थित एफसीआई गौदाम का बताया जा रहा है। एफसीआई गोदाम पर तैनात कर्मचारियों की लापरवाही से 145 बंदरों की मौत हुई है । गोदाम में गेहूं में डालने वाली दवाइयां रखी थीं । जिसे खाकर बंदरों की मौत हुई है । बता दें कि एफसीआई गौदाम के कर्मचारियों ने वन विभाग को सूचित किए बिना ही बंदरों को अंदर ही जमीन में दफना दिया । इस घटना कि सूचना मिलने पर एसडीएम सदर और सीओ सिटी जांच करने पहुंच गए । एसडीएम ने एफसीआई गोदाम संचालक सहित अन्य कर्मचारियों से पूछताछ की ।

आत्मा शांति के लिए हनुमान चालीसा का पाठ

बंदरों की मौत के चलते हनुमान चालीसा का पाठ कराया जाएगा । एफसीआई प्रबंधक का कहना था कि उनकी आत्मा शांति के लिए हनुमान चालीसा का पाठ होना जरूरी है । इस पर कुछ हिंदूवादी नेता तो संतुष्ट हो गए, लेकिन कुछ असंतुष्ट दिखे । बंदरों की मौत का यह मामला शहर में आग की तरह फैल गया ।

हिंदू संगठन ने किया हंगामा

हिंदू संगठन के कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि बंदरों की संख्या काफी ज्यादा है । फसीआई प्रबंधक झूठ बोलकर मामले को रफा-दफा करना चाहते हैं । इस पर वहां मौजूद हिंदूवादी आक्रोशित हो गए और हंगामा शुरू कर दिया ।

ग्रीन महाकुंभः पहली बार तैनात होंगे ऑल-टेरेन व्हीकल, मेला क्षेत्र में कहीं भी आग लगने पर तत्काल पहुंचेंगे

प्रयागराजः महाकुंभ 2025 को सुरक्षित और हरित महाकुंभ बनाने के लिए संकल्पित सरकार अनेक उपाय कर रही है। इसी क्रम में पहली बार महाकुंभ में ऑल टेरेन व्हीकल तैनात किया जा रहा है। यह व्हीकल मेला क्षेत्र में कहीं भी आग की घटना होने पर चंद सेकेंड्स में...

प्रयागराज (सैयद रजा): महाकुंभ 2025 को सुरक्षित और हरित महाकुंभ बनाने के लिए संकल्पित सरकार अनेक उपाय कर रही है। इसी क्रम में पहली बार महाकुंभ में ऑल टेरेन व्हीकल तैनात किया जा रहा है। यह व्हीकल मेला क्षेत्र में कहीं भी आग की घटना होने पर चंद सेकेंड्स में घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पा सकेगा। यह फायर एस्टींगुशर समेत तमाम अत्याधुनिक फायर सेफ्टी डिवाइसेज से लैस होगा। रेत, दलदल और छिछले पानी में भी यह पूरी रफ्तार से दौड़ सकेगा। अग्निशमन विभाग के ट्रेन्ड फायरकर्मी इस पर सवार होकर पूरे मेला क्षेत्र में आपात स्थिति पर नजर रखेंगे। इसे पहली बार महाकुंभ में उपयोग में लाया जाएगा। इसके लिए चार ऑल-टेरेन व्हीकल्स प्रयागराज पहुंच चुके हैं और अग्निशमन कर्मियों को इसकी राइडिंग और उपयोग की ट्रेनिंग दी जा रही है। सीएम योगी 25 नवंबर को इन चारों व्हीकल्स समेत अन्य डिवाइसेज को हरी झंडी दिखा सकते हैं। इलेक्ट्रिक बैट्री से संचालित होने वाला यह व्हीकल सीएम योगी के सुरक्षित और हरित महाकुंभ के संकल्प को साकार करेगा।

जर्मनी से प्रयागराज पहुंचे चारों व्हीकल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (यूपी फायर सर्विसेज) की ओर से मेला क्षेत्र को जीरो फायर इंसिडेंट जोन बनाने की व्यापक तैयारी की गई है। ऑल-टेरेन व्हीकल उसी तैयारी का

हिस्सा है। प्रयागराज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी और महाकुंभ के नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि चार ऑल-टेरेन व्हीकल्स को जर्मनी से प्रयागराज लाया गया है। लगभग ढाई करोड़ की लागत वाले इन व्हीकल्स को सीएम योगी स्वयं हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इन व्हीकल्स की तैनाती से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि महाकुंभ मेला प्रारंभ होने के बाद क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी सुचारू रूप से फायर सेफ्टी सर्विसेज का परिचालन किया जा सके। उन्होंने बताया कि वाहन में पानी की टंकियां, नल और पंप सहित अग्निशमन उपकरण लगे हैं, जिससे अधिकारी आग लगने पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगे। यह त्वरित कार्रवाई आग को फैलने से रोकने में महत्वपूर्ण है, खासकर शुरूआती चरणों में।

आग बुझाने की प्रभावी क्षमता

उन्होंने कहा कि इसमें नॉर्मल एस्टींगुशर के साथ एयर कंप्रेसर और वैमपैक फायर एस्टींगुशर भी है। इसमें गन से 9 लीटर तक पानी का छिड़काव किया जा सकता है। इसमें 8 लीटर पानी और एक लीटर केमिकल होता है जो छिड़काव के बाद फोम बन जाता है। फ्लोरीन-मुक्त फोम में आग बुझाने की प्रभावी क्षमता होती है। यह आग को तेजी से बुझा सकता है।

करहल हत्याकांडः 'हम डरते नहीं, कमल में वोट देंगे', भाजपा का समर्थन बना मौत का कारण

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में करहल विधानसभा सीट पर वोटिंग चल रही है । इस बीच दलित युवती की हत्या मामले ने आग में घी डालने वाला काम किया । घटना के बाद से माहौल और गरमा गया है । लड़की के परिजनों ने हत्या का आरोप समाजवादी पार्टी के नेताओं पर लगाया है ।...

मैनपुरी : उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में करहल विधानसभा सीट पर वोटिंग चल रही है । इस बीच दलित युवती की हत्या मामले ने आग में घी डालने वाला काम किया । घटना के बाद से माहौल और गरमा गया है । लड़की के परिजनों ने हत्या का आरोप समाजवादी पार्टी के नेताओं पर लगाया है । परिजनों का कहना है कि मृतक युवती भाजपा को वोट देना चाहती थी । जिसके चलते युवती से दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई ।

दो दिन पहले दी गई थी धमकी

बता दें कि मृतक युवती को एक दिन पहले ही धमकी भी मिली थी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि 2 लोग दोपहर 12-1 बजे के बीच जबरन उसे बाइक पर बैठाकर ले गए थे । युवती के पिता ने आरोप लगाते हुए कहा कि 3 दिन पहले वह

अपनी बेटी के साथ कोटा जा रहे थे । सपा नेता ने उनसे कहा कि वोटिंग के बाद जाइएगा । साइकिल को वोट दीजिएगा । इस पर बेटी ने भाजपा को वोट देने की बात कर दी । इसके बाद नेता और उसके साथियों ने बेटी को धमकी दी थी । जिसे उन्होंने सच कर दिया और युवती की निर्मम हत्या कर दी ।

सपा नेताओं पर लगा हत्या का आरोप

गौरतलब है कि लड़की के माता-पिता ने हत्या का आरोप समाजवादी पार्टी के नेता प्रशांत यादव और साथियों पर लगाया है । मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि युवती ने बीजेपी को वोट देने की बात कही तो उसकी हत्या कर दी गई । इस मामले में भारतीय जनता पार्टी ने दलित युवती की हत्या पर निश्पक्ष जांच की मांग की है । पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की अपील की है।

अमित मालवीय ने सपा को जमकर लताड़ा

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी सपा को आड़े हाथ लेते हुए तीखा हमला बोला है । उन्होंने मृतका की मां का बयान साझा करते हुए कहा कि सपा के लाल टोपी वाले गुंडों ने दलित बेटी की निर्मम हत्या की है । अमित मालवीय ने अखिलेश यादव को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें अपनी पार्टी के गुंडों को नियंत्रण में रखना चाहिए, अन्यथा कानून और प्रशासन कार्रवाई करेगा ।

बॉलीवुड में 200 करोड़ क्लब ने सफलता का नया मानदंड स्थापित किया

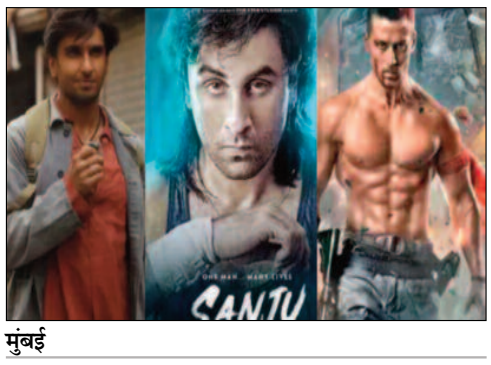

मुंबई

बालीवुड के कुछ खास अभिनेताओं ने 200 करोड़ के प्रतिष्ठित क्लब में अपनी जगह बनाकर दशार्या है कि वह न केवल बॉक्स-ऑफिस पर राज कर रहे हैं बल्कि अपने अभिनय और करिश्मे से दर्शकों का दिल भी जीत रहे हैं। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में 200 करोड़ क्लब ने सफलता का एक नया मानदंड स्थापित किया है। बालीवुड अभिनेता रणवीर सिंह ने अपनी फिल्मों ह्यपद्मावतह्ल, ह्यसिंबाह्ल और ह्यगली बॉयह्ल के जरिए अपनी बहुमुखी प्रतिभा और ऊर्जा का प्रदर्शन करते हुए 200 करोड़ क्लब में जगह बनाई। हर किरदार में खुद को ढालने की उनकी कला ने उन्हें इंडस्ट्री के सबसे भरोसेमंद अभिनेताओं में शुमार किया है। रणबीर कपूर, जिन्होंने ह्यसंजूह्ल जैसी ब्लॉकबस्टर के साथ इस क्लब में एंट्री की, जटिल और गहन भूमिकाओं में अपनी दक्षता दिखाने के लिए जाने जाते हैं। उनका चार्म और अभिनय की गहराई उन्हें बॉलीवुड के शीर्ष अभिनेताओं में बनाए रखता है। विक्की कौशल ने ह्यउरीः द सर्जिकल स्ट्राइकह्ल के साथ न केवल इस क्लब में एंट्री की बल्कि अपनी गंभीर भूमिकाओं और दमदार परफॉर्मेंस से खुद को एक बड़ी ताकत के रूप में स्थापित किया। उनकी फिल्में दर्शकों को देशभक्ति और भावनात्मक जुड़ाव का अनुभव कराती हैं।

दया, सम्मान और आपसी समर्थन रिश्ते के अहम पहलूः भूमि पेडनेकर

मुंबई

हाल ही में अपने प्रशंसकों के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने पिछले कुछ दिनों के अनुभव साझा किए। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी की झलक पेश की। अभिनेत्री भूमि ने अपनी पोस्ट में लिखा, पिछले कुछ दिनः सेट पर रहने से लेकर यह पता चलने तक कि मेरी सोल सिस्टर की शादी हो रही है। इसके साथ उन्होंने कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं। इससे पहले भूमि ने एक सेल्फी पोस्ट करते हुए लिखा था, सेल्फी गेम #सोमवार मोड।भूमि हाल ही में एक टॉक शो में नजर आईं। शो में उन्होंने रिश्तों और साथी में प्राथमिकताओं को लेकर खुलकर बात की। भूमि ने कहा कि उनके लिए दया, सम्मान और आपसी समर्थन किसी भी रिश्ते के सबसे अहम पहलू हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसा साथी चाहती हूं जो दयालु हो, दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करे, और जो मेरे काम पर गर्व महसूस करे। भूमि इन दिनों अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी व्यस्त हैं। उनका हालिया प्रोजेक्ट, क्राइम थ्रिलर भक्त, में वह एक उग्र पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं, जो सच्चाई उजागर करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

द साबरमती रिपोर्ट की सराहना के लिए पीएम का एकता कपूर ने माना आभार

मुंबई

साल 2002 की गोधरा त्रासदी पर आधारित बॉलीवुड फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को मिली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना के जवाब में फिल्म की निमार्ता एकता कपूर ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, आदरणीय प्रधानमंत्री जी, # दसाबरमतिरिपोर्ट पर आपके सकारात्मक शब्दों के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। इनसे हमारा मनोबल बढ़ा है। यह साबित करता है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। एकता ने आगे कहा कि मोदी की सराहना फिल्म की पूरी टीम के लिए प्रोत्साहन का काम करेगी और इसे दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करेगी। विक्रांत मैसी अभिनीत ह्यद साबरमती रिपोर्टह्ल 27 फरवरी 2002 की त्रासदी को केंद्र में रखती है, जब गोधरा स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस में आग लगने से 59 लोगों की जान चली गई थी। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। फिल्म ने सच्चाई और इससे जुड़ी अफवाहों के बीच की दूरी को पाटने की कोशिश की है। सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर और ट्रेलर तेजी से वायरल हो रहा है। फिल्म ने सच्चाई को दिखाने के लिए एक संवेदनशील

दृष्टिकोण अपनाया है और इसे दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है।

बता दें कि फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की पीएम मोदी ने तारीफ करते हुए इसे सच्चाई को उजागर करने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, यह अच्छी बात है कि सच्चाई सामने आ रही है, और वह भी एक ऐसे तरीके से जिससे आम लोग इसे देख सकें। एक फर्जी कहानी सीमित समय तक ही चल सकती है। आखिरकार, तथ्य हमेशा सामने आते हैं फिल्म पर एक यूजर की टिप्पणी का जवाब देते हुए मोदी ने कहा, नकली कथा केवल सीमित समय तक ही चल सकती है। तथ्य हमेशा सामने आते हैं। यूजर ने फिल्म को अवश्य देखने योग्य बताते हुए 2002 की त्रासदी की सच्चाई को उजागर करने के लिए इसकी सराहना की थी।

शानदार परफॉर्मेंस से अक्षरा सिंह ने जीता दिल

मुंबई

पुष्पा 2ः द रूल के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीत लिया। इस इवेंट में अक्षरा ने फिल्म के हिट गाने ह्यसामी सामीह्ल पर परफॉर्म करके माहौल में जोश भर दिया।

पटना के गांधी मैदान में हुए आयोजन के दौरान वह अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के साथ खूबसूरत तस्वीरों में भी नजर आईं। अक्षरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीरें शेयर करते हुए अल्लू अर्जुन और रश्मिका की तारीफ की।

उन्होंने लिखा, ह्वरील और रियल दोनों में आग है अल्लू अर्जुन। आपसे मिलकर बहुत खुशी हुई, आपकी सराहना हमेशा याद रहेगीह्ल रश्मिका मंदाना के साथ अपनी तस्वीर में अक्षरा उन्हें प्यार भरी फ्लाइंग किस देती नजर आईं, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी। जारी ह्यपुष्पा 2ह्ल के ट्रेलर में अल्लू अर्जुन के किरदार पुष्पा के साहसिक और विद्रोही स्वभाव को हाई-वोल्टेज एक्शन के साथ दिखाया गया। ट्रेलर में पुष्पा को सत्ता और धन से परे दिखाते हुए उनकी लड़ाई और दृढ़ संकल्प पर जोर दिया गया। रश्मिका मंदाना के किरदार श्रीवल्ली की झलक ने फैंस को उत्साहित कर दिया। वहीं, मलयालम सुपरस्टार फहाद फासिल की दमदार एंट्री ने ट्रेलर में और रोमांच भर दिया।

उनके किरदार की झील से बाहर निकलने वाली सीन ने दर्शकों का ध्यान खींचा। सुकुमार द्वारा निर्देशित और मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का संगीत टी-सीरीज ने दिया है। पुष्पा 2ः द रूल की रिलीज डेट पहले 15 अगस्त तय की गई थी, लेकिन अब इसे 5 दिसंबर, 2024 को रिलीज किया जाएगा। पहले यह फिल्म विक्की कौशल की छावा से टकराने वाली थी, लेकिन टकराव से बचने के लिए ह्यछावाह्ल की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है।

तेजी से वायरल हो रहा बागी 4 का पोस्टर

मुंबई

हाल ही में बालीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्म बागी 4 का पहला पोस्टर रिलीज किया गया। इस फिल्म में अभिनेता टाइगर श्रॉफ प्रमुख भूमिका में है। फिल्म का पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है । पोस्टर में टाइगर श्रॉफ एक बेहद अनोखे और किलर लुक में नजर आ रहे हैं, जो उनके फैंस के लिए एक बड़ी सौगात है।

रिलीज किए गए पोस्टर में टाइगर श्रॉफ जेल के वॉशरूम जैसे सेटअप में बैठे दिखाई दे रहे हैं। वह एक टॉयलेट पॉट पर बैठे हैं, एक हाथ में शराब की बोतल और दूसरे में आरी है। उनके कपड़ों पर खून के धब्बे साफ नजर आ रहे हैं। टाइगर ने अपने मुंह में सिगरेट दबा रखी है और शर्ट के

बटन खुले हुए हैं, जिससे उनके एब्स नजर आ रहे हैं। उनके आस-पास जमीन पर कई लोग मरे पड़े हैं। पोस्टर पर लिखा गया है, इस बार वो पहले जैसा नहीं है। टाइगर का यह रूप उनके पिछले किरदारों से काफी अलग है और दर्शकों को यह बताने के लिए काफी है कि इस बार कहानी में कुछ नया और ज्यादा रोमांचक देखने को मिलेगा। बागी 4 में टाइगर श्रॉफ एक बार फिर रॉनी के किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म उनकी पॉपुलर फ्रेंचाइजी बागी का चौथा भाग है। बागी सीरीज ने टाइगर को बॉलीवुड में एक्शन स्टार के रूप में स्थापित किया है। हालाँकि, उनकी पिछली चार फिल्में सिंघम अगेन, गणपत, बड़े मियां छोटे मियां, और हीरोपंती 2 बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर पाईं, लेकिन बागी 4 से टाइगर और उनके फैंस को काफी उम्मीदें हैं।

बागी 4 का निर्देशन ए हर्षा कर रहे हैं और इसे नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह प्रोडक्शन हाउस अपने 75 साल पूरे होने का जश्न भी मना रहा है। पोस्टर के जरिए फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता पहले ही बढ़ चुकी है। टाइगर श्रॉफ के इस नए अवतार को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि बागी 4 बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती है और क्या यह टाइगर को फिर से सफलता की राह पर ला पाती है। फिल्म में टाइगर श्रॉफ को अब तक की सबसे बड़ी लड़ाई लड़ते हुए दिखाया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, निमार्ता विलेन के किरदार के लिए किसी बड़े अभिनेता की तलाश कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और इसे 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

नडाल ने टेनिस को अलविदा कहा , डेविस कप का अपना अंतिम मैच हारे

मलागा

स्पेन के टेनिस स्टार रफल नडाल ने खेल से संन्यास ले लिया है। यहां हुए डेविस कप क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड्स के हाथों स्पेन की हार के साथ ही नडाल का करियर समाप्त हो गया। अपने इस अंतिम टूर्नामेंट में नडाल को बॉटिक वैन डे जैस्चुल्प ने 6-4, 6-4 से हराया। डेविस कप के साथ ही टेनिस से विदा होते हुए 38 साल के नडाल भावुक हो ये और उन्होंने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन करते हुए कहा कि मैं खुशकिस्मत था जो अपने शौक को करियर बना सका और इतनी सफलता हासिल कर सका। 22 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले इस खिलाड़ी ने कहा कि डेविस कप में वह अपना पहला मैच हार गए थे और अब अपना अंतिम मैच भी हार गये। इस तरह उन्होंने एक सर्किल को पूरा कर लिया है। नडाल का नाम विश्व के महाने टेनिस खिलाड़ियों में शामिल है । पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रहे नडाल सर्बिया के नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी हैं। जोकोविच के नाम 24 खिताब हैं जबकि नडाल के नाम 22 खिताब हैं। फ्रेंच ओपन के सबसे सफल खिलाड़ी होने की वजह से उन्हें लाल बजरी का बादशाह भी कहा जाता है। 22 ग्रैंड स्लैम में से 14 खिताब उन्होंने फ्रेंच ओपन के रुप में जीते हैं। इसके अलावा 4 बार वर ओपन और 2-2 बार विबंलडन और ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किए। नडाल ने अपने करियर में 1080 एकल खिताब जीते हैं। इसके सात ही वह 209 हफ्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर 1 रहे। उनके नाम 92 एकल खिताब भी हैं।

इसके अलावा उन्होंने 2008 ओलंपिक में टेनिस के एकल में स्वर्ण पदक भी जीता था हालांकि इस बार वह फाइनल में जोकोविच से हार गये थे। उनके शानदार करियर के सम्मान में सेंटर कोर्ट पर एक समारोह का भी आयोजन किया गया था। उनके करियर की झलकियां दिखाता वीडियो जब चलाया गया तो नडाल की आंखें भर आई। समारोह के बाद नडाल ने अपने साथी खिलाड़ियों को गले लगाया और दोनों हाथों से उनका अभिवादन किया। नडाल की विदायी को लेकर स्विटरजरलैंड के रोजर फेडरर और अमेरिका की सेरेना विलियम्स सहित कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ियों ने भी उन्हें अपना संदेश देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

ऑस्ट्रेलिया से कमजोर नजर आ रहा भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण

पर्थ

भारतीय टीम के इस बार ऑस्ट्रेलिया दौरे में गेंदबाजी आक्रामण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कहा जा रहा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा बाकि गेंदबाज नये हैं और टीम में अनुभव की कमी है। ऐसे हालातों में वे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के सामने वे कहीं नहीं टिकते। भारतीय दल में शामिल सभी छह तेज गेंदबाजों के टेस्ट विकेट मिलाकर भी पैट कमिंस से कम हैं। कमिंस के विकेट 269 हैं जबकि भारतीय गेंदबाजों के कुल विकेट भी 265 है। इससे दोनो के बीच का अंतर पता चलता है। अपनी धरती पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के गेंदबाज उछाल भरी पिचों पर और भी घातक हो जाते हैं। की वहीं पिच जब ऑप्टस स्टेडियम की हो तो यह तय है कि ये उस-ाकी तेजी के कारण हावी रहेंगे हालांकि हालात भारतीय तेज गेंदबाजों के लिए भी वही होंगे पर अनुभवी की कमी उनके आड़े आ जाएगी। इसके अलावा हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भातरीय गेंदबाज असफल रहे थे और उन्हें इससे भी उबरना होगा। नियमित कप्तान रोहित शर्मा के पहले टेस्ट से बाहर होने के कारण बुमराह को गेंदबाजी के साथ ही कप्तानी की भी जिम्मेदारी संभालनी होगी। उन्हें खुद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के साथ ही अन्य गेंदबाजों से भी अनका सबसे अच्छा प्रदर्शन निकलवाना होगा। तेज गति और उछाल वाली पिच पर गेंदबाजों के लिए सही लेंथ का चुनाव सबसे अहम होता है। बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज ही केवल ऑस्ट्रेलिया की हालातों को कुछ जानते हैं। बुमराह कमान संभालेंगे तो सिराज को दूसरे छोर से अपना बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा। सिराज का हालिया प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में अन्य गेंदबाजों का भी अपनी ओर से

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना होगा।

भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने हालांकि गेंदबाजी को ठीक बताया है। उन्होंने कहा, गेंदबाजों ने अभ्यास में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने हालातों को बहुत अच्छी तरह से समझा। मुझे लगता है कि हम 22 तारीख के लिए सही दिशा में आगे बढ़ रहे है।

मोर्कल ने पिछले कुछ समय से खराब लय में चल रहे सिराज का बचाव करते हुए कहा, वह शानदार गेंदबाज और मजबूत मानसिकता वाला इंसान हैं। गेंदबाजी में उनका रवैया आक्रामक रहता है और वह भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण में शीर्ष पर हैं। मैं इस दौरे पर उनके प्रदर्शन को देखने का इंतजार कर रहा हूं। सिराज ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे पर तीन मैचों में 29.53 औसत से 13 विकेट लिए थे।

कैरी ने इन बदलावों से हासिल किया फार्म

पर्थ

ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एलेक्स कैरी भारत के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले शानदार लय में आ गये हैं। कैरी ने हाल ही में घरेलू टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड में काफी रन बनाये हैं। कैरी के अनुसार अपनी बल्लेबाजी में किए गए सामान्य तकनीकी बदलाव से ही वह अच्छा फार्म हासिल कर पाये हैं। कैरी ने शेफील्ड शील्ड सत्र में 90.4 की औसत से 452 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक शामिल हैं। सत्र की शुरूआत में कैरी की बल्लेबाजी में बदलाव इन कारणों से आये हैं। पहला कारण यह है कि वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से लंबे समय से दूर हैं जिससे वह तरोताजा हुए है। दूसरा कारण तकनीकी बदलाव है जो उन्होंने गेंदबाज के गेंद छोड़ने पर बल्ले को थोड़ा ऊपर रखकर किया, जिससे उन्हें अपने स्ट्रोकप्ले को ताकत और सटीकता के साथ हिट करने के लिए अधिक समय मिला। कैरी ने ऑस्ट्रेलिया के पहले टीम प्रशिक्षण सत्र के बाद कहा, यह केवल मामूली है, लेकिन इस समय ऐसा लगता है कि मैं अच्छी स्थिति में हूं और गेंद पर काफी अच्छी तरह से प्रतिक्रिया कर रहा हूं। आप खेलते हैं और खेलते हैं और, आपको वास्तव में बहुत अधिक चीजों पर काम करने का मौका नहीं मिलता है।

उन्होंने कहा, कुछ समय के लिए मैच नहीं होने के कारण मैंने अपने

हाथों से थोड़ा सा खेल किया और कुछ ऐसा पाया जो अच्छा लगा और उसी के साथ आगे बढ़ा। मैंने अपने हाथों को थोड़ा ऊपर उठाया, बल्ले को आसमान की ओर उठाया और वहां से, बस प्रतिक्रिया करने की कोशिश की। यह तुरंत ही काफी अच्छा लगा, इसलिए मुझे बहुत अधिक खोज करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। अब उनका लक्ष्य टेस्ट सीरीज में अपने फार्म को बनाये रखना है।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दशार्ये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
भगवानपुर

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतु कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधन कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल
जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर,
हरिद्वार
मो. 9219141431

किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादकः अमित कुमार